twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

# दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 07 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 152, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

## एमपी सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य: मुख्यमंत्री

**सतना**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश तेजी से विकास कर रहा है। प्रदेश में 2003 के पहले औद्योगिक विकास दर एक प्रतिशत से भी कम थी। आज औद्योगिक विकास 12 प्रतिशत है। मध्यप्रदेश देश में सबसे तेजी से औद्योगिक विकास करने वाला राज्य है। हर संभाग मुख्यालय में इन्वेस्टर्स मीट में औद्योगिक क्षेत्र में निवेष के बडे प्रस्ताव मिले है। औद्योगिक विकास के लिए मैहर में नवीन संस्थानों की स्थापना की जायेगी। ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश में 32 लाख सोलर पंप लगाकर किसानों को मुफ्त में बिजली देंगे। किसानों के पास यदि उनके उपयोग से अधिक बिजली पैदा हुई तो उसे खरीदकर रुपये भी सरकार देगी। मुख्यमंत्री डॉ. रविवार को मैहर में आमसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर घोषणा करते हुए कहा कि मैहर में कलेक्ट्रेट भवन का निमार्ण कार्य शीघ्र शुरू होगा। इसी साल बरगी बांध से मां नर्मदा का जल मैहर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पहुंच जायेगा। हमने सिंचाई के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। प्रदेश में केवल 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा थी, जिसे 55 लाख हेक्टेयर बढाया गया है। हम पांच साल में प्रदेश में एक करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा देंगे।

**मैहर में मां शारदा लोक का होगा निर्माण, शीघ्र शुरू होगा कलेक्ट्रेट भवन का निर्माण**

उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि मैहर में 250 एकड क्षेत्र में विशाल गौशाला का निर्माण भी किया जायेगा। मैहर में मां शारदा देवी का भव्य शारदा लोक का निर्माण किया जायेगा। इसी तरह चित्रकूट में वनवासी भगवान राम लोक का भी निर्माण होगा। आज रावनवमी पर पूरी अयोध्या जगमग है तो भगवान राम की कर्मभूमि चित्रकूट भी आज लाखों दीपों से जगमग होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां शारदा की कृपा से मैहर जिले को माडल के रूप में विकसित किया जायेगा। रामनवमी पर मां शारदा से मुझे आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। आज हम रामनवमी के साथ मां शारदा के परम भक्त और परमवीर आल्हा का 1300वां जन्म वर्ष भी मना रहे हैं।

# तमिलनाडु के प्रति केंद्र समर्पित: मोदी

## मेडिकल की पढ़ाई तमिल भाषा में कराएं स्टालिन: पीएम मोदी

**चेन्नई**

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति और ट्रायलैंग्वेज को लेकर विवाद चल रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी रविवार को रामेश्वरम पहुंचे। इस दौरान सीएम स्टालिन न ही उन्हें रिसीव करने पहुंचे और न ही कार्यक्रम में पहुंचे। पीएम मोदी ने रामेश्वरम में एशिया के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे ब्रिज और और अन्य योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। जनसभा के दौरान उन्होंने भाषा विवाद का जिक्र किए बिना डीएमके नेताओं और सीएम एमके स्टालिन को नसीहत दे दी। पीएम ने कहा- मैं राज्य सरकार से मांग करता हूं कि वे डॉक्टरी की पढ़ाई तमिल भाषा में कराएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के कई नेताओं की चिट्ठियां मेरे पास आती हैं। आश्चर्य की बात है कि कोई नेता तमिल में सिग्नेचर नहीं करता। तमिल का गौरव बने, इसलिए इन लोगों को स्थानीय भाषा में सिग्नेचर करना चाहिए।

**डीएमके सरकार हिंदी को लागू नहीं करना चाहती**

तमिलनाडु सरकार पिछले दो महीने से नई शिक्षा नीति के तहत राज्य में ट्राय लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने का विरोध कर रही है। पॉलिसी के तहत तमिल, अंग्रेजी के अलावा हिंदी को भी शिक्षा के माध्यम में शामिल करने का प्रस्ताव है। डीएमके चीफ और सीएम स्टालिन इसका विरोध कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने रामेश्वरम मंदिर में दर्शन किए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रामनवमी पर तमिलनाडु के रामेश्वरम स्थित रामनाथ स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री 3 दिन के श्रीलंका दौरे से सीधे रामेश्वरम पहुंचे। श्रीलंका से लौटते हुए मोदी ने विमान से रामसेतु देखा। उन्होंने इसका वीडियो भी पोस्ट किया है।

### छोटे किसानों को 12 हजार करोड़ किसान योजना के तहत दिए

पीएम ने कहा- भारत के टैक्सपेयर का दिया हर पैसा गरीब के काम आए, यही गुड गवर्नेंस है। तमिलनाडु के लाखों छोटे किसानों को 12 हजार करोड़ रुपए पीएम किसान योजना के तहत दिए गए हैं। भारत की ग्रोथ में हमारी ब्लू इकोनॉमी का बड़ा रोल होने वाला है। तमिलनाडु की ताकत दुनिया देख सकती है। मछलियों के काम से जुड़ा तमिलनाडु का समाज बहुत मेहनती है। इसके लिए जो मदद चाहिए वो केंद्र सरकार इस समाज को दे रही है। पिछले 5 साल में पीएम मत्स्य संपदा स्कीम के तहत तमिलनाडु को करोड़ों रुपए मिले हैं।

### तमिलनाडु के नेता तमिल में साइन नहीं करते: पीएम मोदी

**पीएम** ने कहा कि आज के देश के लोग भाजपा सरकार में गुड गवर्नेंस देख रहे हैं। आज हर हिंदुस्तानी का सीना चौड़ा हो रहा है। साथियों, देश के हर राज्य, हर कोने में भाजपा कार्यकर्ता जिस तरह जमीन से जुड़कर काम करते हैं। गरीबों की सेवा करते हैं। उसे देखकर मुझे गर्व होता है। मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं। उनका आभार व्यक्त करता हूं। मैं एक बार फिर तमिलनाडु के सभी भाई-बहनों को डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई देता हूं। भारत माता की जय.. पीएम ने कहा- मैं तो कभी-कभी हैरान हो जाता हूं, जब तमिलनाडु के कुछ नेताओं की चिट्ठियां मेरे पास आती हैं। कभी कोई नेता तमिल भाषा में सिग्नेचर नहीं करता। तमिल का गौरव हो, कम से कम तमिल में सिग्नेचर तो करो। पीएम ने कहा- आज दुनिया में भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है। लोग भारत आना चाहते हैं, भारत को समझना चाहते हैं। तमिल भाषा और धरोहर दुनिया के कोने-कोने में पहुंचे। इसके लिए सरकार कोशिश कर रही है। मैं मानता हूं 21वीं सदी में इस महान परंपरा को और आगे ले जाना है। मुझे विश्वास है रामेश्वरम और तमिलनाडु की ये धरती हमें नई प्रेरणा देती रहेगी। पीएम ने कहा- हमें आपकी रक्षा-सुरक्षा की भी चिंता है। भारत सरकार मछुआरों के साथ खड़ी है। केंद्र सरकार के प्रयास से 4 हजार से ज्यादा मछुआरे श्रीलंका से वापस लौटे हैं। इसमें 600 से ज्यादा बीते साल फ्री हुए। कुछ को फांसी की सजा हुई थी। उन्हें भी श्रीलंका से जिंदा वापस लाए और उनके परिवारों को सौंपा है।

### आज भाजपा का स्थापना दिवस, मेरे लिए भावुक पल: मोदी

मोदी ने लिखा- श्रीलंका से लौटते हुए विमान से रामसेतु के दर्शन किए। यह तभी हुआ, जब अयोध्या के राम मंदिर में रामलला का सूर्य तिलक हो रहा था। यह दिव्य अनुभव था। प्रभु श्रीराम हम सभी को जोड़ने वाली शक्ति हैं। उनकी कृपा सदैव हम पर बनी रहे। मोदी पिछले साल भी रामेश्वरम आए थे। यहां अग्नि तीर्थम पर डुबकी लगाने के बाद रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा की थी। इस दौरान उन्होंने रामायण पाठ और भजन संध्या में भी हिस्सा लिया था।

मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले भगवान राम से जुड़े उन सभी मंदिरों में दर्शन किया था, जिनका रामायण में जिक्र है। इसी कारण से वे रामनाथस्वामी मंदिर आए थे।

पीएम ने कहा- आज भी देखिए कितना सुखद संयोग है। रामनवमी का पवित्र दिन है, रामेश्वरम की धरती है। यहां पर पम्बन ब्रिज का उद्घाटन हुआ। 100 साल पहले जिसने यह ब्रिज बनाया, वह गुजरात में पैदा हुआ था। आज नए ब्रिज का जिसने उद्घाटन किया उसका जन्म भी गुजरात में हुआ है। साथियों, आज जब राम नवमी है। रामेश्वर की पवित्र भूमि है। तब मेरे लिए भावुक पल भी है। आज भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस है। विकसित और समृद्ध भारत का जो लक्ष्य हम लेकर चल रहे हैं, उसमें एक-एक कार्यकर्ता का काम है। तीन-चार पीढ़ियां इसमें खप गई हैं। भाजपा के इस विचार ने आज हमें ये काम करने का मौका दिया है।

## भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने वैचारिक अधिष्ठान को अडिग रखा: नड्डा

**नई दिल्ली**

भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस पर रविवार को दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर कार्यक्रम में आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी के दिवंगत नेताओं दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं का माल्यार्पण किया। इस दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता वहां मौजूद रहे। भाजपा अध्यक्ष ने इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने वैचारिक अधिष्ठान को अडिग रखा है। हम वोट के खातिर इधर से उधर डिगे नहीं और सत्ता पाने के लिए हमने विचारधारा के साथ कोई समझौता नहीं किया। इसी की ताकत से आज भाजपा आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेहरू की कैबिनेट से इसलिए इस्तीफा दिया, क्योंकि उनका मानना था कि एक देश दो विधान से नहीं चल सकता। पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने एकात्म मानवदर्शन का व्याख्यान दिया था। भाजपा ने एकात्म मानववाद को आगे बढ़ाया और मोदी जी के नेतृत्व में "सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास" के रूप में अंत्योदय को आगे बढ़ाया गया।

## राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद वक्फ बिल बना कानून

**नई दिल्ली**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) बिल को शनिवार देर रात मंजूरी दे दी। सरकार ने नए कानून को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी किया। अब नए कानून को लागू करने की तारीख को लेकर केंद्र सरकार अलग से एक नोटिफिकेशन जारी करेगी। यह बिल (अब कानून) 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। नए कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अब तक छह याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। नई याचिका केरल के सुन्नी मुस्लिम संगठन केरल जमीयतुल उलेमा ने दायर की है। वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने 11 अप्रैल से पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। इससे पहले कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, अअढ विधायक अमानतुल्लाह खान, सिविल राइट्स संगठन एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी अलग-अलग याचिका लगा चुके हैं। इस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों में हो रहे पक्षपात, दुरुपयोग और अतिक्रमण को रोकना है। इस बिल (अब कानून) को राज्यसभा में 128 सदस्यों ने समर्थन दिया था, जबकि 95 ने इसका विरोध किया। वहीं लोकसभा में यह बिल 2 अप्रैल की आधी रात पारित हुआ था। इस दौरान 288 सांसदों ने समर्थन में और 232 ने विरोध में वोट डाला था।

## जून तक पूरी तरह तैयार हो जाएगा अयोध्या में राम मंदिर: आर्किटेक्ट चंद्रकांत सोमपुरा

**अहमदाबाद**

**6 अप्रैल के दिन** रामनवमी का उत्सव देश-विदेश के राम मंदिरों में मनाया गया। अयोध्या राम मंदिर का पूरा काम सिर्फ 5% बचा है। मंदिर के आर्किटेक्ट चंद्रकांत सोमपुरा ने रामनवमी के अवसर पर बातचीत की।

चंद्रकांत सोमपुरा ने कहा कि राम मंदिर के मुख्य शिखर का 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। जून के पहले सप्ताह में मंदिर पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा। हमारे अनुमान के अनुसार, ट्रस्ट जून में सम्पूर्ण मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि तय कर सकता है। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के आर्किटेक्ट चंद्रकांत सोमपुरा ने बताया कि पिछले साल मंदिर के उद्घाटन तक ग्राउंड फ्लोर का काम पूरा हो चुका था। उसके बाद डेढ़ साल में दूसरी मंजिल, तीसरी मंजिल, गुंबद और पूरे मंदिर का काम पूरा हो चुका है और मुख्य शिखर का 80 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है, जो अगले डेढ़ महीने में पूरा हो जाएगा। इस तरह जून में मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद प्राण प्रतिष्ठा ट्रस्ट द्वारा सम्पूर्ण मंदिर का कार्य कराया जाएगा। इस मंदिर को विष्णु पंचायत मंदिर के रूप में तैयार किया गया है। कॉरिडोर में शिव, गणेश और अंबाजी के मंदिर भी होंगे।मुख्य मंदिर के भूतल पर भगवान श्री राम की बाल रूप की मूर्ति स्थापित की गई है। जून के पहले सप्ताह में मंदिर पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा। ट्रस्ट जून में सम्पूर्ण मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि तय कर सकता है।

**मंदिर की दूसरी मंजिल में कितनी मूर्तियां होंगी?** आर्किटेक्ट चंद्रकांत सोमपुरा ने बताया कि दूसरी मंजिल पर राम दरबार बनाया गया है। जिसमें भगवान श्रीराम, जानकी माता, लक्ष्मणजी, भरतजी, शत्रुघ्नजी और हनुमानजी की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी।

## संविधान में सभी की प्रगति की भावना पर जोर: ओम बिरला

**नई दिल्ली/ताशकंद**

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को भारतीय संविधान के समावेशी और कल्याणकारी स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "भारतीय संविधान में सभी नागरिकों को समान मानने, उन्हें समान अवसर प्रदान करने तथा वंचित और पिछड़े वर्गों के लोगों को प्रगति की मुख्य धारा से जोड़ने की भावना प्रधान है। ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की ऐतिहासिक 150वीं सभा में "सामाजिक विकास और न्याय के लिए संसदीय प्रयास" विषय पर मुख्य भाषण देते हुए बिरला ने कहा कि "भारत की संसद ने हाल के वर्षों में ऐसे अनेक विधेयक पारित किए हैं, जो सामाजिक न्याय एवं सुरक्षा तथा सभी वर्गों के समावेशन को बढ़ावा देते हैं।" समाज के कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए संसद की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम -2016', उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019' और 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' जैसे कानून समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करते हैं।" इस संदर्भ में उन्होंने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए संसद से पारित नए श्रम कानूनों और संहिताओं का उल्लेख भी किया।

## किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने खत्म किया अपना अनशन

**चंडीगढ़**

पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने 131 दिन से चली आ रही रविवार को अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म कर दी। आंदोलनकारी किसानों की विभिन्न मांगों, विशेष रूप से फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर उन्होंने पिछले साल 26 नवंबर को अनशन शुरू किया था। एक दिन पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और रेलवे राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने उनसे अनशन खत्म करने की अपील की थी। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वह किसान संगठनों के साथ पहले से तय 4 मई को सुबह 11 बजे फिर से बैठक करेंगे। चौहान ने कहा कि डल्लेवाल अब अस्पताल से वापस आ चुके हैं और हम उनके अतिशीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र के प्रतिनिधियों और किसान संगठनों के बीच मांगों को लेकर चल रही बातचीत का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

## डा. श्यामा प्रसाद के सपनों को आगे बढ़ा रहे हैं पीएम मोदी: नायब सैनी

**चंडीगढ़**

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश स्तरीय 46वां स्थापना दिवस पंचकूला में धूमधाम से मनाया गया। पार्टी के स्थापना दिवस के शुभ मौके पर रविवार को भाजपा का प्रदेश कार्यालय रोहतक से पंचकूला शिफ्ट हो गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने विधिवत हवन-यज्ञ कर नए कार्यालय का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश के कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं सहित प्रदेशवासियों को भाजपा के स्थापना दिवस और राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी और प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य जीवन की कामना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अटल चौक, अटल पार्क की आधारशिला रखी और पंचकूला कार्यालय में अटल सभागार का उद्घाटन भी किया।

अटल सभागार में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पहले अध्यक्ष बने। अटल जी के नेतृत्व में जनसंघ के बाद भाजपा की यात्रा दो सांसदों से शुरू होकर इतनी तेज गति से आगे बढ़ी कि पीएम मोदी के नेतृत्व में लगातार तीन बार जनता ने भाजपा को समर्थन दिया और आज नॉन स्टॉप भाजपा की सरकार देश में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अटल जी ने एनडीए का गठन किया जिसे आज प्रधानमंत्री मोदी भी साथ लेकर चल रहे हैं और देश को आगे बढ़ाने और विकसित करने का काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लिए गर्व और गौरव की बात है कि पार्टी के प्रदेश कार्यालय पंचकमल से संगठन को मजबूती मिलेगी। प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आज अटल पार्क का शिलान्यास हुआ है, इस पार्क में अटल जी की स्मृतियां देखने को मिलेगी और अटल जी की एक बड़ी प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। श्री सैनी ने कहा कि भाजपा आज एक वट वृक्ष बनी है और इसे वट वृक्ष बनाने में कई पीढ़ियां खपी है।

कार्यकर्ताओं की मेहनत और तपस्या का परिणाम है कि देश के 140 करोड़ लोगों को वट वृक्ष रूपी भाजपा छांव देने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी आगे बढ़े। पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी डा. मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को गति देते हुए देश को आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश गति से बदला है। आष्युमान कार्ड से गरीबों को इलाज हो रहा है। देश में प्रधानमंत्री जन औषधालय खुले हैं जहां सस्ती दवाईयां लोगों को मिल रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने गरीब व्यक्ति को मजबूत करते हुए मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है। नायब सैनी ने कहा कि देश और प्रदेश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हुआ है।

# तेजस्वी यादव ऐसे पिता के बेटे, जो गिरगिट की तरह अपना रंग बदलते रहे हैं : विजय कुमार सिन्हा

एजेंसी

**पटना।** बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को स्वार्थी बताया है। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि तेजस्वी यादव ऐसे पिता के बेटे हैं, जो गिरगिट की तरह अपना रंग बदलते रहे हैं। विजय कुमार सिन्हा ने से बात करते हुए कहा, 'तेजस्वी यादव ऐसे पिता के बेटे हैं, जो अवसर और स्वार्थ के आधार पर गिरगिट की तरह अपना रंग बदलते रहे। ये वही लालू यादव हैं जिन्होंने कभी कहा था कि मेरी लाश पर बिहार का बंटवारा होगा, लेकिन जब समय आया तो सत्ता के लिए ये राज्य के बंटवारे के समर्थन में खड़े हो गए। जब अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका प्रस्ताव रखा तो इन्होंने डर के मारे समझौता कर लिया इसलिए ये नेता गिरगिट की तरह अपना रंग बदलते हैं। जनता अब इनकी बातों पर भरोसा नहीं करती।डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ÷आज भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस है। आज पार्टी में तीसरी और चौथी पीढ़ी खड़ी है, जिन्होंने कष्ट और विपरीत परिस्थितियों को झेला है। उन्होंने भारत माता को सर्वोच्च सिंहासन पर बिठाने के सपने को पूरा करने के लिए बलिदान दिया। आज भाजपा का

हर कार्यकर्ता सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सुशासन के लिए समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के नेतृत्व में पार्टी हर नागरिक के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म, क्षेत्र या भाषा का हो। अब बिहारी अपमान का शब्द नहीं रहेगा।÷ बता दें कि बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर उनकी सरकार बनी, तो वह इस विधेयक को कूड़ेदान में डाल देंगे। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था, बेचारे की सरकार कहां से आएगी? लालू प्रसाद यादव ने उस लायक उन्हें छोड़ा ही नहीं है। तेजस्वी को पहले यह समझना चाहिए कि उनकी पार्टी के नेता लालू यादव ने बिहार में किस तरह के भ्रष्टाचार किए हैं। उन्हें मुंह छुपाना पड़ रहा है कि उनके पिताजी ने बिहार में भ्रष्टाचार किया। उन्होंने कहा कि पहले तो वह यह स्पष्ट करें कि उनके पिताजी ने बिहार में बेजुबान जानवरों का चारा खा लिया और अब जब वह नेता बने हैं तो खुद को लोकतंत्र का रक्षक क्यों बना रहे हैं? तेजस्वी को इस बारे में जनता को स्पष्टीकरण देना चाहिए कि लोकतंत्र का मंदिर संसद और सदन है और जो विधेयक पारित होता है, वह जनता के विश्वास से होता है।

## रामनवमी के अभिजीत मुहूर्त पर श्री रामलला के ललाट पर सजा सूर्य तिलक

एजेंसी

**अयोध्या।** रामनवमी के अवसर पर अभिजीत मुहूर्त पर श्री राम लला के ललाट पर सूर्य तिलक हुआ। करीब चार मिनट तक यह दुर्लभ संयोग रहा। दुनिया इस अभूतपूर्व पल की साक्षी बनी। सूर्य तिलक के साथ ही मंदिर में आरती की गई। इससे पहले कुछ देर के लिए मंदिर के पट बंद किए गए। गर्भगृह की लाइट बंद कर दी गई, ताकि सूर्य तिलक स्पष्ट नजर

आए। सूर्य तिलक को लेकर शनिवार को आखिरी ट्रायल किया गया था। आठ मिनट तक चले इस ट्रायल के दौरान इसरो के साथ-साथ आईआईटी रुड़की और आईआईटी चेन्नई के एक्सपर्ट भी मौजूद रहे थे। रामनवमी पर दूसरी बार रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया है। इसका सीधा प्रसारण देश-दुनिया के लोगों ने देखा। रामनवमी के अवसर पर बीते साल भी रामलला का सूर्य तिलक किया गया था। ट्रस्ट ने फैसला लिया है कि अगले बीस साल तक लगातार सूर्य तिलक होता रहेगा।

## शाह ने रायपुर में वामपंथी उग्रवाद पर विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी

**रायपुर।** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने दिल्ली रवाना होने के पूर्व छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वामपंथी उग्रवाद की स्थिति पर विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक, केन्द्रीय गृह मंत्रालय में विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा),

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल और भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के महानिदेशक, छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद के समूल नाश में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 से पहले ही छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में नक्सलवाद एक इतिहास बन जाएगा। श्री शाह ने कहा कि नक्सलवाद के कारण कई पीढ़ियां बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद फिर से जड़ न जमा पाए इसलिए इसका समूल नाश होना आवश्यक है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि नक्सलियों के खिलाफ जारी लड़ाई को कमजोर नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि एक राज्य से दूसरे राज्य में भाग रहे नक्सलियों को पकड़ने के लिए राज्य पुलिस और केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियाँ में समन्वय और बेहतर होना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास और सुरक्षा दोनों ही मोर्चों पर प्रगति संतोषजनक हुई है। उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रशासन से नक्सल प्रभावित इलाकों में सरकारी योजनाएं जन-जन तक पहुंचाने के लिए बनाई गई 'नियद नेल्लानार' को सुरक्षा बलों के शिविरों के पांच किलोमीटर के दायरे से बढ़ाकर 10 किलोमीटर करने का निर्देश दिया। श्री शाह ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जनता को विकास के समान अवसर मिले। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान की गति किसी भी सूरत में कम नहीं होना चाहिए।

## न्यायमूर्ति अरुण पल्ली को हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश

**नयी दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अरुण पल्ली को जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। शीर्ष अदालत की ओर एक बयान जारी कर यह जानकारी दी गई है। बयान के अनुसार, उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम हुई अपनी बैठक में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण पल्ली को जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है।

# प्रधानमंत्री ने किया भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज का उदघाटन

**ये भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज है। 2019 में पीएम मोदी ने ही इसकी नींव रखी थी।**

एजेंसी

**रामेश्वरम ।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज और रामेश्वरम - तांबरम (चेन्नई) नई ट्रेन सेवा और एक तटरक्षक जहाज की शुरुआत की। पंबन सी ब्रिज मुख्य भूमि और रामेश्वरम द्वीप के बीच एक रेल लिंक प्रदान करेगा। कार्यक्रम में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव भी

मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी श्रीलंका के सफल दौरे के बाद वापसी यात्रा में विमान से रामेश्वरम पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने विमान से राम सेतु के दर्शन किए। इस दौरान वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री ने अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के भी दर्शन किए। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, आज रामनवमी के पावन अवसर पर श्रीलंका से वापस आते समय आकाश से राम सेतु के दिव्य दर्शन हुए। ईश्वरीय संयोग से मैं जिस समय राम सेतु के दर्शन कर रहा था, उसी समय मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के दर्शन का भी सौभाग्य मिला। मेरी प्रार्थना है, हम सभी पर प्रभु श्रीराम की कृपा बनी रहे।

## भाजपा स्थापना दिवस पर नड्डा ने कहा- हमने कभी नहीं किया विचारधारा से समझौता

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस पर रविवार को दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर कार्यक्रम में आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी के दिवंगत नेताओं दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं का माल्यार्पण किया। इस दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता वहां मौजूद रहे।भाजपा अध्यक्ष ने इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने वैचारिक अधिष्ठान को अडिग रखा है। हम वोट के खातिर इधर से उधर डिगे नहीं और सत्ता पाने के लिए

हमने विचारधारा के साथ कोई समझौता नहीं किया। इसी की ताकत से आज भाजपा आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेहरू की कैबिनेट से इसलिए इस्तीफा दिया।

## भुवनेश्वर-पुरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस दुर्घटना, एक की मौत, 15 से अधिक घायल

एजेंसी

**भुवनेश्वर।** भुवनेश्वर-पुरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात एक दुखद सड़क हादसा हुआ, जिसमें बांग्लादेशी तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस सीआईएफए के पास पलट गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को तुरंत भुवनेश्वर के कैपिटल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, बस में 65 से अधिक बांग्लादेशी तीर्थयात्री सवार थे, जो पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जा रहे थे। ये तीर्थयात्री बांग्लादेश के चटगांव जिले से आए थे और धार्मिक यात्रा पर थे। उनकी योजना पुरी के बाद वाराणसी के विश्वनाथ मंदिर जाने की थी। समूह दो बसों में यात्रा कर रहा था, जिसमें कुल 125 लोग शामिल थे। इससे पहले वे अयोध्या और द्वारका के दर्शन कर चुके थे। प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक जांच के अनुसार, हादसा तब हुआ जब दूसरी बस का चालक कथित तौर पर गाड़ी चलाते समय सो गया। अनियंत्रित बस सड़क से हटकर साइफन के पास खाई में जा गिरी। बस के पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और कई लोग वाहन के अंदर फंस गए।

# राम नवमी धर्म, न्याय और कर्तव्य-परायण होने का संदेश देता है : राष्ट्रपति मुर्मू

**देशवासी विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लें।'**

एजेंसी

**नई दिल्ली।** रामनवमी के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'सभी देशवासियों को रामनवमी के पावन पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। यह त्योहार धर्म, न्याय और कर्तव्य-परायण होने का संदेश देता है। मर्यादापुरुषोत्तम प्रभु श्री राम ने मानव जाति के लिए त्याग, वचनबद्धता, समरसता और शौर्य के उच्च आदर्श प्रस्तुत किए हैं। उनके सुशासन यानी रामराज्य की अवधारणा को आदर्श माना जाता है।

मेरी मंगलकामना है कि इस शुभ अवसर पर सभी देशवासी विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लें।'

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'राम नवमी के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जन्म का यह दिन- जिनके दिव्य सिद्धांत आज भी हमारे जीवन को मार्गदर्शन और प्रकाशित करते हैं, हमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर में निहित शाश्वत मूल्यों की याद दिलाता है। भगवान राम की शिक्षाएं हमें उन मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने और एक अद्भुत और मजबूत राष्ट्र के रूप में हमें जोड़ने वाले बंधन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करें।' वहीं, पीएम मोदी ने भी रामनवमी की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'सभी देशवासियों को रामनवमी की ढेरों शुभकामनाएं।

प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव का यह पावन-पुनीत अवसर आप सबके जीवन में नई चेतना और नया उत्साह लेकर आए, जो सशक्त, समृद्ध और समर्थ भारत के संकल्प को निरंतर नई ऊर्जा प्रदान करे। जय श्रीराम।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, -सभी रामभक्तों को रामनवमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

# हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी : राजनाथ

**रक्षा मंत्री ने नौसेना बेस कारवार में समुद्री सुरक्षा स्थिति और परिचालन तत्परता की समीक्षा की**

एजेंसी

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री ने नौसेना बेस कारवार में समुद्री सुरक्षा स्थिति और भारतीय नौसेना की परिचालन तत्परता की समीक्षा की। इस साल के पहले नौसेना कमांडरों के सम्मेलन के प्रथम चरण के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कमांडरों से कहा कि भारत बदलती परिस्थितियों का आकलन करें और उसके अनुसार योजना, संसाधन और अभ्यास सुनिश्चित करे राजनाथ सिंह ने कर्नाटक के कारवार में 2025 के पहले नौसेना कमांडरों के सम्मेलन के उद्घाटन चरण के दौरान समुद्री सुरक्षा स्थिति, भारतीय नौसेना की परिचालन तत्परता और भविष्य के दृष्टिकोण की समीक्षा की। रक्षा मंत्री ने नौसेना कमांडरों के साथ बातचीत की, जिसमें समकालीन सुरक्षा प्रतिमानों को संबोधित करने, नौसेना की लड़ाकू क्षमता को आगे बढ़ाने के लिए आगे का रास्ता तैयार करने और रणनीतिक, परिचालन और प्रशासनिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। उनके साथ चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना स्टाफ के प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। कमांडरों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने

भारत की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने, हर परिस्थिति में लोगों की अपेक्षाओं को पार करने और नई ऊर्जा और नवाचार के साथ राष्ट्र की सेवा के लिए निरंतर प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने में नौसेना के योगदान की सराहना की। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि वर्तमान अप्रत्याशित भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच सशस्त्र बलों की भविष्य की भूमिकाओं को फिर से परिभाषित करना आवश्यक है। उन्होंने वैश्विक विशेषज्ञों की इस मान्यता का उल्लेख किया कि 21वीं सदी एशिया की सदी है और भारत की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया के लिए एक केंद्र बिंदु बन गया है। सम्मेलन का दूसरा चरण 07 से 10 अप्रैल तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रमुख परिचालन, सामग्री, रसद, मानव संसाधन विकास, प्रशिक्षण और प्रशासनिक पहलुओं की व्यापक समीक्षा की जाएगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ और चीफ ऑफ एयर स्टाफ भी तीनों सेनाओं के बीच तालमेल को बढ़ावा देने और अभिसरण प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए सम्मेलन के दौरान नौसेना कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे।

# कांग्रेस मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक मानती है : सैयद अफशान चिश्ती

**सैयद अफशान चिश्ती ने कांग्रेस के नेताओं के असंवेदनशील और गैर-गंभीर रवैये पर भी सवाल उठाए।**

एजेंसी

**अजमेर।** भाजपा सूफी संवाद अभियान के राष्ट्रीय सह प्रभारी सैयद अफशान चिश्ती ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कांग्रेस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए मुस्लिम समुदाय केवल एक वोट बैंक है। वक्फ संशोधन विधेयक पर लोकसभा में वोटिंग के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की अनुपस्थिति पर उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस को मुस्लिम वोटों की आवश्यकता होती है, तब ही उन्हें मुस्लिमों की याद आती है, लेकिन जब महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करने का समय आता है, तो कांग्रेस पार्टी के नेता गायब हो जाते

हैं। अफशान चिश्ती ने कहा कि हम यह बात वर्षों से कहते आ रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी मुस्लिम समुदाय को केवल वोट बैंक समझती है। जब उन्हें वोटों की जरूरत होती है, तब उन्हें मुस्लिम समुदाय की याद आती है। लेकिन जब कोई महत्वपूर्ण बिल पारित हो रहा होता है, तब कांग्रेस पार्टी के नेता गायब होते हैं। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं के असंवेदनशील और गैर-गंभीर रवैये पर भी सवाल उठाए। चिश्ती ने कहा कि कांग्रेस के नेता, विशेष रूप से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, कभी सक्रिय तो कभी निष्क्रिय रहते हैं। ये लोग कभी सक्रिय रहते हैं और जब इनका मन नहीं करता, तब ये अपने काम में नजर नहीं आते। राहुल गांधी को पार्ट टाइम नेता बताते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को संसद में महत्वपूर्ण बिल पर अपनी बात रखनी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उनका मानना था कि राहुल गांधी को मुस्लिम समाज के मुद्दे पर अपनी राय रखनी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने चुप्पी साध ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए मुस्लिम समाज की कोई असल अहमियत नहीं है, वह सिर्फ एक वोट बैंक भर हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को यह बताना चाहिए कि जब मुस्लिम समाज के हक में कोई महत्वपूर्ण बिल पास हो रहा था।

## सीजेआई खन्ना ने तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना की

एजेंसी

**तिरुमाला।** भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने तिरुमाला मंदिर की अपनी पहली यात्रा के दौरान श्री वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा-अर्चना की। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव और अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी चौधरी वेंकैया चौधरी ने महाद्वारम में मुख्य न्यायाधीश का स्वागत किया। मंदिर के पुजारियों ने वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच उनका पारंपरिक स्वागत किया और उन्हें मंदिर ले गए। दर्शन के बाद मुख्य न्यायाधीश को रंगनायकुला मंडपम में शेष वस्त्रम और तत्पश्चात वेदसर्वचनम भेंट किया गया। टीटीडी ईओ ने प्रोटोकॉल गणमान्य व्यक्ति को तीर्थ प्रसादम और श्रीवरु की लैमिनेशन फोटो भेंट की।

## राजीव शुक्ला को कांग्रेस कार्यसमिति का स्थायी आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने एक अहम फैसला लेते हुए वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला को कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) का स्थायी आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की जानकारी अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) की ओर से एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह नियुक्ति कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से लागू की गई है। इस जानकारी को कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने अधिकृत रूप से साझा किया। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कांग्रेस संगठनात्मक सुधार और नेतृत्व में मजबूती लाने के प्रयासों में जुटी हुई है।

### 'वक्फ विधेयक पर बहस में गांधी परिवार ने मुसलमानों का साथ छोड़'; अमित मालवीय ने की राहुल, प्रियंका की अनुपस्थिति की आलोचना

नई दिल्ली। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर तीखी बहस के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की अनुपस्थिति की भाजपा ने आलोचना की है और उन पर मुस्लिम समुदाय की उपेक्षा का आरोप लगाया, जिसकी वे अक्सर वकालत करने का दावा करते हैं। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस महत्वपूर्ण विधेयक पर लोकसभा में चर्चा के दौरान दोनों प्रमुख कांग्रेस सांसदों की अनुपस्थिति के लिए निशाना साधा। अमित मालवीय ने कहा, मुस्लिम समुदाय को यह समझना चाहिए कि कांग्रेस और गांधी परिवार के लिए वे (मुसलमान) सुविधा से ज्यादा कुछ नहीं हैं। कांग्रेस के व्हिप के बावजूद प्रियंका वाड्रा उस दिन संसद में नहीं थीं, जब वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और मुसलमानों के स्वघोषित मसीहा राहुल गांधी के पास समय था, फिर भी उन्होंने विधेयक पर बोलना जरूरी नहीं समझा। इसे भावी पीढ़ियों के लिए दर्ज कर लिया जाए- जब जरूरत थी, गांधी परिवार और कांग्रेस ने मुसलमानों को छोड़ दिया, जिनके प्रतिनिधित्व का वे दावा करते हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस महासचिव और वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा भी कांग्रेस के व्हिप के बावजूद सदन से अनुपस्थित रहीं थीं। वक्फ विधेयक पर बहस के दौरान गांधी भाई-बहनों की अनुपस्थिति ने लोगों को चौंका दिया।

### दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि पर मनीष सिसोदिया ने की CBI जांच की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों द्वारा की जा रही फीस वृद्धि को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेसवार्ता कर भाजपा सरकार और प्राइवेट स्कूलों के बीच सांठगांठ का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की। मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही दिल्ली में भ्रष्टाचार को खुली छूट मिल गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की मिलीभगत के बिना कोई भी प्राइवेट स्कूल अपनी फीस नहीं बढ़ा सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि फीस वृद्धि का कितना हिस्सा मंत्रियों तक पहुंच रहा है, इसका पर्दाफाश जरूरी है। सिसोदिया ने कहा कि आप सरकार के कार्यकाल के दौरान फीस वृद्धि पर सख्त नियंत्रण था। 2015 के बाद प्राइवेट स्कूलों का ऑडिट कराया गया, और सिर्फ उन्हीं स्कूलों को फीस बढ़ाने की अनुमति दी गई, जो आर्थिक रूप से मजबूर थे। उन्होंने बताया कि कई स्कूलों के पास करोड़ों रुपए की जमा राशि थी, फिर भी वे फीस बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे, जिसे रोका गया। कई स्कूलों ने सरकार के खिलाफ कोर्ट में मुकदमे भी किए, लेकिन केजरीवाल सरकार ने उन्हें कोर्ट में मात दी। पूर्व शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज प्राइवेट स्कूल बिना किसी सरकारी अनुमति के मनमाने तरीके से फीस बढ़ा रहे हैं।

### दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने सुनी प्रिंसेस पार्क के लोगों की समस्याएं, कहा- हर घर की परेशानी होगी दूर

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा नई दिल्ली विधानसभा पहुंचे। यहां उन्होंने प्रिंसेस पार्क में जनता की समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मैंने आज नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले प्रिंसेस पार्क का दौरा किया। इस अवसर पर मैंने यहां लोगों की समस्याओं को सुना और उनका समाधान निकालने की कोशिश की। हर घर में नल की व्यवस्था की जा रही है और इसके अलावा क्षेत्र से संबंधित अन्य समस्याओं का भी तेजी के साथ समाधान होगा प्रवेश वर्मा ने आयुष्मान योजना को लेकर कहा, दल्ली के लिए यह बहुत बड़ी खुशखबरी है। आज केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हो रहे हैं। इसके तहत अब दिल्ली के लाखों गरीब लोग आयुष्मान योजना के माध्यम से 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज करा सकेंगे। यह बहुत बड़ा और सकारात्मक कदम है। बता दें कि नई दिल्ली विधानसभा में स्थित प्रिंसेस पार्क में 203 मकान हैं और मंत्री ने उन सभी 203 मकानों में पानी की टंकी लगाने का आश्वासन दिया है।

## दिल्ली में लागू हुई आयुष्मान भारत योजना, नड्डा बोले- यह हेल्थ इंशोरेंस नहीं बल्कि हेल्थ एशोरेंस है

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू कर दी गई। आकाशवाणी के रंगभवन में आयोजित कार्यक्रम में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को दिल्ली में लागू करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) और दिल्ली सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस योजना के तहत निर्धारित इलाज के खर्च का 60 प्रतिशत केंद्र और 40 प्रतिशत दिल्ली सरकार वहन करेगी। दिल्ली में इस योजना के लागू होने से दिल्ली के 6 लाख 54 हजार परिवारों को पांच लाख रुपये का सालाना स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। इसके साथ ही दिल्ली सरकार भी पांच लाख रुपये का अतिरिक्त टॉपअप देगी। यानि कुल 10 लाख रुपये तक का इलाज दिल्ली के लोग देश के किसी भी पंजीकृत निजी अस्पतालों में करा सकेंगे। 10 अप्रैल से लोगों को कार्ड वितरित किए जाएंगे। दिल्ली आयुष्मान भारत योजना लागू करने वाला 35वां राज्य बन गया है।

इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और दिल्ली की



मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित दिल्ली के सभी भाजपा सांसद मौजूद थे। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। इस योजना के तहत देश के पचास करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। यह योजना है। दिल्ली आयुष्मान भारत योजना लागू करने वाला 35वां राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव के दौरान भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में आयुष्मान भारत को लागू करने और दिल्ली सरकार की तरफ से अलग से पांच लाख देने का वायदा किया गया था। उसे सरकार बनने के महज 43 दिनों में ही पूरा किया गया। अब लोगों को 10 अप्रैल से आयुष्मान कार्ड मिलने शुरू हो जाएंगे। अब दिल्ली के लोग देश के 30 हजार से भी अधिक अस्पतालों में मुफ्त इलाज करा सकेंगे। यह आज का बदलता भारत है। इस अवसर पर स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि देश में यह योजना साल 2018 में शुरू हुई थी लेकिन तब की दिल्ली सरकार ने इस योजना का लाभ यहां के लोगों को नहीं होने दिया।

उन्हें इस सुविधा से वंचित रखा। आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू कर दिया गया है, जो गरीब लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा शुरू करने की दिशा में एक कदम है। इस योजना में देश के करीब 37 लाख हेल्थ वर्कर को शामिल किया गया है। 70 साल से ऊपर के सभी बुजुर्गों को इसमें शामिल किया गया है। बेहतर होती स्वास्थ्य सुविधा के कारण देश के लोगों के स्वास्थ्य पर खर्च होने वाले 1.75 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। दिल्ली के लोगों का भी काफी रुपया बचने वाला है। दिल्ली अब विकास के नए अध्याय को लिखने जा रही है।

## समुद्र हमें न केवल व्यापार बल्कि अवसर, विकास और राष्ट्रीय प्रगति से भी जोड़ता है: सर्बानंद सोनोवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने पूरे देश में 62वें राष्ट्रीय समुद्री दिवस को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया, जिसमें भारत की समृद्ध समुद्री विरासत और राष्ट्र के विकास और वैश्विक संपर्क में नाविकों के असाधारण योगदान का सम्मान किया गया।इस वर्ष का विषय था समृद्ध समुद्र - विकसित भारत और नीली अर्थव्यवस्था तथा हरित विकास के लिए युवा, जो समुद्री क्षेत्र में सतत विकास के महत्व और नवाचार और पर्यावरण संरक्षण को आगे बढ़ाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।शिपिंग महानिदेशालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय समुद्री दिवस समारोह समिति, दिल्ली चैप्टर ने आज नई दिल्ली के विनय मार्ग खेल मैदान में केंद्रीय समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल उपस्थित थे। इस अवसर पर सोनोवाल ने कहा, राष्ट्रीय समुद्री दिवस पर, हम अपने नाविकों और समुद्री समुदाय की अटूट भावना का सम्मान करते हैं, जो भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाते हैं। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम अपने बंदरगाहों को मजबूत करना, तटीय शिपिंग को सशक्त बनाना और नवाचार को अपनाना जारी रखते हैं। हम भारत को वैश्विक समुद्री नेता बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। महासागर हमें न केवल व्यापार से जोड़ता है, बल्कि अवसर, विकास और राष्ट्रीय प्रगति से भी जोड़ता है। कार्यक्रम के दौरान सोनोवाल ने जलपान सत्र के दौरान कैडेटों के साथ गर्मजोशी से बातचीत की और उनकी आकांक्षाओं और प्रशिक्षण के बारे में सार्थक बातचीत की। केंद्रीय मंत्री ने महिला कैडेटों से बातचीत की और उन्हें भारत के समुद्री परिदृश्य के भविष्य को आकार देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

## केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने की किसान नेता डल्लेवाल से अनशन खत्म करने की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से अनशन समाप्त करने की अपील की है। शिवराज सिंह ने कहा है कि किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ पहले से तय तिथि के अनुसार हम 4 मई को बातचीत के लिए मिलेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री ने आज एक्स पर एक पोस्ट जारी कर कहा कि भारत सरकार के प्रतिनिधियों और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच उनकी मांगों को लेकर चल रहा बातचीत का सिलसिला लगातार जारी है। शिवराज सिंह ने कहा, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल अब अस्पताल से वापस आ चुके हैं और हम उनके अतिशीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना करते हैं। साथ ही हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे अपना अनशन समाप्त करें और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ पहले से तय तिथि के अनुसार हम 4 मई को सुबह 11 बजे बातचीत के लिए मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि कई महीनों से



अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को गुरुवार को पटियाला के पार्क अस्पताल से छुट्टी मिल गई। डल्लेवाल को शुरू में पंजाब पुलिस ने हिरासत में लिया और 24 मार्च को पटियाला के पार्क अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राज्य सरकार और प्रदर्शनकारी किसानों के बीच तनाव बढ़ने पर डल्लेवाल के स्वास्थ्य और अनशन की स्थिति के बारे में परस्पर विरोधी रिपोर्टें सामने आईं। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि डल्लेवाल ने 29 मार्च को अपनी 123 दिन लंबी भूख हड़ताल समाप्त कर दी लेकिन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम गैर-राजनीतिक) ने इससे इनकार किया है। बीकेयू सिद्धूपुर के महासचिव काका सिंह कोटडा ने पुष्टि की कि डल्लेवाल को गुरुवार सुबह छुट्टी दे दी गई। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि डल्लेवाल अपनी भूख हड़ताल पर हैं, केवल पानी पी रहे हैं और उन्हें न्यूनतम चिकित्सा सहायता मिल रही है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद मीडिया से बातचीत में डल्लेवाल ने दोहराया कि जब तक किसानों की मांगें पूरी नहीं हो जातीं, खासकर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी पूरी नहीं हो जाती, तब तक वह अपना अनशन समाप्त नहीं करेंगे।

## कांग्रेस ने ट्रंप की 'रेसिप्रोकल टैरिफ' की घोषणा को वैश्विक व्यापार के लिए खतरनाक करार दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा की गई रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा को वैश्विक व्यापार के लिए खतरनाक बताया है। पार्टी का कहना है कि यह देश और दुनिया के कारोबारी जगत के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है। इससे अमेरिका को भी नुकसान होगा। यह सोच गलत है कि वहां कोई निर्माण क्रांति आएगी। कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री आनंद शर्मा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दो दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति ने रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की, जिससे पूरी दुनिया के व्यापार को चोट पहुंची है। 75 साल के बाद अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक फैसले ने बिखेर दिया है। जो हुआ है, वो देश और दुनिया के दृष्टिकोण से दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पिछले कई दशकों से दुनिया में निवेश के लिए सहमति बनी थी। शुल्क तथा व्यापार पर सामान्य समझौता (गैट) के अंतिम चरण के बाद विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की स्थापना हुई, जिसमें कुछ नियमों पर सहमति बनी थी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ, जिससे पूरी दुनिया में अनिश्चितता का माहौल बना हो। ये सिर्फ अर्थशास्त्र और व्यापार जगत तक सीमित नहीं है। देश इससे सीधे प्रभावित होते हैं, चाहे अमीर देश हों या गरीब देश हों। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा एकतरफा फैसला थोपना भारत और दुनिया के लिए बड़ी चुनौती है। रेसिप्रोकल टैरिफ शब्द का इस्तेमाल पहली बार किसी बड़े देश के राष्ट्रपति ने किया है। दुनिया के सभी देश अपनी आर्थिक और सामाजिक प्रगति के अलग अलग पायदान पर खड़े हैं। कुछ देश अमीर हैं, कोई इमर्जिंग इकोनॉमी कहलाता है, कुछ देश बहुत गरीब हैं और कुछ देश हैं, जिन्हें न्यूनतम विकसित देश (एलडीसी) कहा जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति के फ़ैसले ने एलडीसी को भी इसकी जद में ले लिया है। भारत पर भी रेसिप्रोकल टैरिफ का प्रभाव होगा, इस पर देश की क्या रणनीति है, उसकी अभी कोई जानकारी नहीं है। आनंद शर्मा ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत के कई बड़े समझौते हैं और बड़े ट्रेडिंग पार्टनर भी हैं। यह संकेत मिले हैं कि सरकार की ओर से द्विपक्षीय ट्रेड के लिए कुछ टर्म्स और रिफरेंस तैयार किए जा रहे हैं। वो क्या हैं और उसके मापदंड क्या हैं? इस पर देश को विश्वास में लेना चाहिए। बिना बताए ऐसे कोई निर्णय न हों, जिसकी कीमत लंबे समय तक देश चुकाता रहे। उन्होंने कहा कि यह बेहतर होता कि हाल ही में खत्म हुए संसद सत्र के दौरान इस बारे में सदन में सरकार की ओर से बयान आता और चर्चा की जाती। अब विपक्ष के नेताओं से मीटिंग कर सरकार बताए कि रणनीति क्या है? जो भी समझौता हो, वो संतुलित और सम्मानजनक होना चाहिए। इसके लिए नेशनल टास्क फोर्स का गठन किया जाए, जो कि अमेरिका से बातचीत का मसौदा तैयार करे और मॉनिटरिंग करे कि हमारा व्यापार किस दिशा में जा रहा है।

## दिल्ली विश्वविद्यालय ने कर्तव्यम उद्घाटन सम्मेलन से की राष्ट्रीय नागरिक पहल की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) द्वारा विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक वाइस रीगल लॉज में कर्तव्यम नामक एक उच्च स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। कर्तव्यम का उद्घाटन डीयू की एक साल तक चलने वाली राष्ट्रीय पहल की शुरुआत का प्रतीक है। इसका उद्देश्य आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में कर्तव्य की अवधारणा की गहरी समझ को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम भारत और पड़ोसी देशों के 16 विश्वविद्यालयों के सहयोग से शुरू किया जा रहा है जिसका उद्देश्य राष्ट्रव्यापी नागरिक और शैक्षणिक आंदोलन को गति देना है उद्घाटन सम्मेलन में दो प्रतिष्ठित न्यायविदों न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर के पूर्व छात्र हैं। व्याख्यानों, संवादों, विद्वानों के आदान-प्रदान और सामुदायिक संपर्क के माध्यम से कर्तव्यम का उद्देश्य नागरिकों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो अपनी जिम्मेदारियों के प्रति उतने ही सजग हों जितने कि अपने अधिकारों के प्रति। इस अवसर पर न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने अपने मुख्य भाषण में अधिकारों और कर्तव्यों के बीच अंतर्निहित संबंध पर चर्चा करते हुए कहा कि जीवन के कई पहलुओं में यह स्वाभाविक रूप से एक दूसरे से प्रवाहित होते हैं। उन्होंने संवैधानिक नैतिकता पर आधारित समाज के निर्माण के लिए विशेष रूप से छात्रों के बीच नागरिक ने जागरूकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार डॉ. बी.आर. अंबेडकर को उद्धृत करते हुए उन्होंने जीवन जीने के संबंधित तरीके के दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला, जो कि पारस्परिक सम्मान और सामूहिक विकास को बढ़ावा देता है। भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने लोकतांत्रिक समाजों में सार्वजनिक जिम्मेदारी के सांस्कृतिक विकास पर विस्तृत व्याखान दिया। उन्होंने अधिकारों के दावे को साझा कर्तव्य की नई भावना के साथ सामंजस्य स्थापित करने वाली नागरिक सोच में आदर्श बदलाव का आह्वान किया।

## भाजपा स्थापना दिवस : प्रधानमंत्री निधि पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी स्थापना दिवस की बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि यह अवसर देश के प्रति समर्पित भाव से काम करने और विकसित भारत के सपने को साकार करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का है। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि देश की जनता अब भाजपा के सुशासन को देख रही है और यह लगातार देश भर में हो रहे चुनाव में मिल रही जीत से स्पष्ट हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार समाज के संपूर्ण विकास के प्रति समर्पित होकर कार्य करती रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीड की हड्डी बताते हुए कहा कि वह 24 घंटे लगातार गरीबों, पिछड़ा और वंचितों के लिए काम कर रही है। उनकी ऊर्जा और उत्साह वाकई में प्रेरणादायक है। उल्लेखनीय है कि भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में किया गया, जिसके प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भी इन अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले एक दशक में भाजपा सरकार अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के साथ विकसित भारत निर्माण हेतु कटिबद्ध है।

## वक्फ संशोधन विधेयक पर विपक्ष फैला रहा भ्रम: जगदंबिका पाल

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्यसभा से पास हो गया है। इस पर लोकसभा में 12 घंटे और राज्यसभा में करीब 14 घंटे की चर्चा हुई। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही यह कानून बन जाएगा। विधेयक के संशोधनों पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने भी 118 घंटे से ज्यादा चर्चा की। जेपीसी के अध्यक्ष एवं भाजपा के लोकसभा सांसद जगदंबिका पाल ने बताया कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में बहुत कम विधेयकों पर इतनी लंबी चर्चा हुई है।जगदंबिका पाल ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा, जेपीसी की हमने दिल्ली में 38 बैठकें कीं। इसके अलावा तमिलनाडु, तेलंगाना से लेकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार आदि राज्यों का दौरा कर वहां के स्टेक होल्डर्स, राज्य वक्फ बोर्डों, इस्लामिक स्कॉलरों, इस्लामिक संगठनों, न्यायविदों से घंटों चर्चा की। उनके सुझाव लिए गए। उनके सुझावों को रिपोर्ट में शामिल किया गया। यहां तक कि विपक्षी सदस्यों के कई सुझावों को भी रिपोर्ट में लिया गया। इसलिए विपक्ष के सभी आरोप निराधार हैं।

विपक्षी दल- कांग्रेस,



एआईएमआईएम और राजद ने इस विधेयक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस पर जगदंबिका पाल ने तल्ख़ टिप्पणी करते हुए कहा कि उनका अधिकार है, वे जाएं कोर्ट, लेकिन कोर्ट में उन्हें मुंह की खानी पड़ेगी। क्योंकि इस विधेयक को पारित कर संसद ने गैरसंवैधानिक प्रावधानों को संविधान के दायरे में लाने का कार्य किया है। चर्चा के दौरान विधेयक को विपक्ष ने गैरसंवैधानिक ठहराने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। इससे जुड़े सवाल पर पाल ने कहा है कि यह पहले गैरसंवैधानिक था, जहां ट्रिब्यूनल के फैसले को अंतिम बताया गया था। जबकि हमारे संविधान ने न्यायिक व्यवस्था में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अंतिम बताया है। इस विधेयक में यही किया गया है। अब लोग ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं। सांसद पाल ने कहा कि विपक्ष सिर्फ भ्रम फैला रहा है। वह लोगों को गुमराह कर रहा है लेकिन लोग गुमराह नहीं होंगे। आज देशभर से लोग बधाई देने, अपनी खुशी जाहिर करने यहां आ रहे हैं। वे मोदी सरकार को धन्यवाद कह रहे हैं। बहुत सारे लोग डर में जी रहे थे कि कहीं उनकी संपत्ति पर वक्फ बोर्ड दावा न कर दे। अब उनका वह डर खत्म हो गया है।

## पीएम-जनमन के तहत त्रिपुरा और ओडिशा के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाग अभियान (पीएम-जनमन) के संपर्क घटक के तहत त्रिपुरा और ओडिशा के लिए कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके तहत त्रिपुरा को 76.47 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 84.352 किलोमीटर लम्बी 25 सड़कें तथा ओडिशा को 69.65 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 63.271 किलोमीटर लम्बी 26 सड़कें तथा 2 पुल स्वीकृत किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि ग्रामीण संपर्क को मजबूत करने और आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस क्रम में त्रिपुरा राज्य को 76.47 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 84.352 किलोमीटर लंबी 25 सड़कें मंजूर की गई हैं। इस पहल को जारी रखते हुए पीएम-जनमन के तहत राज्य में 114.32 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 118.756 किलोमीटर लंबी 42 सड़कों को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। ओडिशा राज्य को 69.65 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 63.271 किलोमीटर लंबी 26 सड़कें और 2 लंबी अवधि के पुल (एलएसबी) मंजूर किए गए हैं। इस पहल को जारी रखते हुए पीएम-जनमन के तहत राज्य में 219.40 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 211.14 किलोमीटर लंबी 66 सड़कें और 4 एलएसबी पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं। इस ऐतिहासिक पहल का मकसद राज्यों में कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बस्तियों को सभी मौसमों के लिए सड़क संपर्क प्रदान करना है। इससे इन राज्यों में रहने वाले विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ने से दूरदराज के गांवों और शहरी केंद्रों के बीच की खाई को पाटने में मदद मिलेगी और क्षेत्र में आर्थिक विकास, व्यापार और वाणिज्य को गति मिलेगी।

## दिल्ली के लाल किले पर होगा तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन : मोहन यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अतीत के गौरवशाली इतिहास को जन सामान्य के सामने लाने के लिये दो हजार वर्ष पहले सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन के सिद्धांतों पर स्थापित शासन संचालन व्यवस्था और उनकी कीर्ति पर केन्द्रित महानाट्य की प्रस्तुति दिल्ली के लाल किले पर 12 से 14 अप्रैल को होने जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्येय वाक्य 'विरासत से विकास की ओर' हमारे लिए एक पाथेय की तरह सिद्ध हो रहा है। हम विकास कार्यों में विरासत को महत्वपूर्ण स्थान दे रहे हैं। मध्य प्रदेश सरकार सुशासन को ध्यान में रखते हुए विकास और जनकल्याण की सभी गतिविधियां संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली में विक्रमोत्सव अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के महामंचन के संबंध में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के विराट व्यक्तित्व को सबके सामने लाने के लिए महानाट्य की कल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि जब इसका मंचन दिल्ली में 12, 13 और 14 अप्रैल को लाल किले पर होगा तो इसमें हाथी, घोड़ों, पालकी के साथ 250 से ज्यादा कलाकार अभिनय करते नजर



आएंगे। महानाट्य में शामिल कलाकार निजी जीवन में अलग-अलग क्षेत्र के प्रोफेशनल्स हैं। महानाट्य में वीर रस समेत सभी रस देखने को मिलेंगे। महानाट्य का मंचन गौरवशाली इतिहास को विश्व के सामने लाने का मध्य प्रदेश सरकार का एक अभिनव प्रयास है। इस कालजयी रचना को सबके सामने रखने में दिल्ली सरकार का भी सहयोग मिल रहा है। इससे पहले हैदराबाद में भी विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल, सुशासन व्यवस्था का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। वे एकमात्र ऐसे शासक थे, जिनके जीवन के विविध प्रसंगों से आज भी लोग प्रेरणा लेते हैं। उनके द्वारा किए गए कार्य और नवाचार आज भी प्रासंगिक हैं। वर्तमान में हिजरी और विक्रम संवत प्रचलन में हैं। इसमें विक्रम संवत उदार परंपरा को लेकर चलने वाला संवत है, अर्थात संवत चलाने वाले के लिए शर्त है कि जिसके पास पूरी प्रजा का कर्ज चुकाने का सामर्थ्य हो, वही संवत प्रारंभ कर सकता है।

## पंबन ब्रिज रेलवे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण पुलों में से एक है : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

चेन्नई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पंबन ब्रिज को भारतीय रेलवे के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण पुलों में से एक बताया। उन्होंने इस पुल के अद्वितीय डिजाइन पर जोर देते हुए कहा कि यह समुद्री जल में बना भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज है, जो तमिल विरासत और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के लिए इसके महत्व को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया से बातचीत में कहा, पम्बन ब्रिज रेलवे के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण पुलों में से एक है। यह समुद्री जल में बना पहला वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज होगा और यह तमिल इतिहास, संस्कृति, प्राचीन तमिल सभ्यता और तमिल भाषा के लिए सबसे महान वास्तुशिल्प चमत्कारों में से एक है...इसका उद्घाटन कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी कल यानी रविवार 6 अप्रैल को नवनिर्मित पंबन रेलवे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे और रामनवमी के अवसर पर तमिलनाडु के रामेश्वरम में रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बताया कि 535 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बना यह पुल जंग से क्षतिग्रस्त हुए पुराने ढांचे की जगह लेगा। तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में स्थित यह पुल भारत के चारधाम तीर्थ स्थलों में से एक रामेश्वरम को रामेश्वरम द्वीप से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि यह भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज होगा, जो देश के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि पुराने पुल को मूल रूप से मीटर गेज ट्रेनों के लिए बनाया गया था, जिसे ब्रॉड गेज यातायात के लिए मजबूत किया गया और 2007 में फिर से खोला गया। फरवरी 2019 में, रेल मंत्रालय ने पुराने ढांचे को बदलने के लिए एक नए पुल के निर्माण को मंजूरी दी।

संपादक की कलम से

# विवाद से न्यायपालिका की छवि को धक्का

संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर संविधान के संरक्षक कहे जाने वाले जज अग्निपरीक्षा के दौर से गुजर रहे हैं. तमिलनाडु में सात रुपये का हिसाब नहीं देने पर भ्रष्टाचार मानते हुए रोडवेज बस के कंडक्टर को बर्खास्त कर दिया गया था. पर अब करोड़ों रुपये की नकदी के जलने और सबूतों को नष्ट करने के मामले में पुलिस, जज और सरकार के मौन से लोगों में बहुत आक्रोश है. जांच समिति के आदेश के बाद दिल्ली पुलिस के पांच अधिकारियों के फोन जब्त कर लिये गये हैं. लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय के जज यशवंत वर्मा, उनके परिवारजन, स्टाफ और अन्य लोगों के मोबाइल फोन जब्त करने के कोई समाचार नहीं हैं. जबकि संवैधानिक सुरक्षा और सम्मान हासिल करने वाले जजों की आम जनता से ज्यादा जवाबदेही होनी चाहिए. विदित हो कि जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास के एक स्टोर रूम में 14 मार्च को आग लगी थी. इस दौरान उनके घर से बड़ी मात्रा में कैश मिला था.

उधर पंचनामा नहीं बनने की वजह से अहम सबूत गायब हो गये, जिससे कई महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर नहीं मिल पा रहे हैं. इस घटना का वीडियो किसने बनाया और एक सप्ताह तक पुलिस, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में चुप्पी क्यों साधी? आगजनी के बाद कमरे और परिसर को सील क्यों नहीं किया गया? अगले दिन किसके आदेश से अधजली बोरियों का मलबा हटाया गया? वीडियो के साथ सीसीटीवी फुटेज क्यों नहीं जारी किये गये? इस मामले से जुड़ी कई कानूनी पेचीदगियों पर भी बहस हो रही है. क्या जजों को आपराधिक मामलों में भी संवैधानिक सुरक्षा हासिल है? अगर कोई साजिश है, तो उसके खिलाफ जस्टिस वर्मा खुलकर शिकायत क्यों नहीं कर रहे? जांच रिपोर्ट से जज यदि दोषी पाये गये, तो उन्हें कब और कैसे दंडित किया जायेगा? संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति और राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता? लेकिन जजों को पुरानी आइपीसी और नये बीएनएस कानून के तहत सीमित कानूनी सुरक्षा हासिल है. इसके अनुसार, न्यायिक कार्यों के मामले में जजों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता. सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय से भी जजों को अतिरिक्त सुरक्षा कवर मिला हुआ है. इसीलिए चीफ जस्टिस की मंजूरी के बगैर जजों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं हो सकती. इस सुरक्षा कवच में चीफ जस्टिस की मंजूरी नहीं मिलने से भ्रष्टाचार के अनेक मामलों में रिटायरमेंट के बाद भी जजों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो पाता.

भ्रष्टाचार के बढ़ते कैंसर से निपटने के लिए अन्ना आंदोलन के बाद लोकपाल कानून बनाया गया था. लोकपाल के निर्णय के अनुसार, हाईकोर्ट के जजों को लोक सेवक मानते हुए भ्रष्टाचार के मामलों की प्राथमिक जांच हो सकती है. लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए लोकपाल के उस आदेश पर रोक लगा दी है. संविधान में महाभियोग की प्रक्रिया इतनी कठिन है कि संविधान लागू होने के 75 वर्ष बाद भी अभी तक किसी जज को महाभियोग के अनुसार नहीं हटाया गया है. इसमें भी पेंच लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक निर्णय दिया कि महाभियोग के पहले जज के खिलाफ आंतरिक जांच जरूरी है. इलाहाबाद हाईकोर्ट के ही दो जजों को आंतरिक जांच में भ्रष्टाचार के लिए दोषी पाया गया था. लेकिन उनके खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई नहीं हुई और उन्होंने त्यागपत्र भी नहीं दिया.

उधर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने सीबीआइ और इडी जांच के साथ जज के पुराने फैसलों के रिव्यू की मांग की है. लेकिन बार अध्यक्ष ने जो जस्टिस वर्मा के घर से 15 करोड़ की रकम मिलने का दावा किया है, उसके स्रोत और विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं. जस्टिस वर्मा ने मामले को साजिश बताते हुए यह सफाई दी है कि जिस स्टोर रूम में आग लगी, वह उनके आवास का हिस्सा नहीं था. जस्टिस वर्मा के अनुसार, तीन महीने पहले भी सीबीआइ के पुराने मामले में उनकी छवि खराब करने के लिए सोशल मीडिया में प्रयास हुए थे. जस्टिस वर्मा के खिलाफ चीफ जस्टिस की मंजूरी के बगैर एफआइआर दर्ज नहीं हो सकती. लेकिन उनके खिलाफ यदि कोई साजिश हुई है, तो उन्हें पुलिस में शिकायत दर्ज करा जांच की मांग करनी चाहिए. यदि बाहरी लोगों ने जज के स्टोर रूम में पैसा रखा है, तो चीफ जस्टिस सीबीआइ और इडी को जांच की मंजूरी भी दे सकते हैं. यह एक उलझन भरा जटिल मामला बन गया है. पुलिस में अभी तक कोई एफआइआर दर्ज नहीं होने के बावजूद सीडीआर, सीसीटीवी अन्य दूसरे बिंदुओं पर आंतरिक जांच समिति की मदद कर रहे हैं. ऐसे में यह आंतरिक जांच की बजाय तीन जजों के सुपरविजन में पुलिस और दूसरी एजेंसियों की एसआइटी जांच जैसी मानी जा सकती है. तीन वर्ष पहले कानून मंत्री ने संसद में जानकारी दी थी कि जजों और न्यायपालिका के खिलाफ 1,631 से अधिक शिकायतें दर्ज हुई हैं।

# स्वास्थ्य के प्रति करना होगा जागरूक

**रमेश सर्राफ धमोरा**

स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर पड़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं। वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डीपीटी का टीका देना पड़ता है। भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में डॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे देश में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ा है। ये बीमारियां बड़ी तादाद में उनकी मौत का कारण बन रही हैं। ग्रामीण तबके में देश की अधिकतर आबादी उचित खानपान के अभाव में कुपोषण की शिकार हो रही है। महिलाओं, बच्चों में कुपोषण का स्तर अधिक देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रति 10 में से सात बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। वहीं महिलाओं की 36 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है। भारत में इलाज पर अपनी जेब से खर्च करने वाले पीड़ित लोगों की संख्या ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। भारत की तुलना में इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से अधिक खर्च करने वाले लोगों का देश की कुल जनसंख्या में प्रतिशत श्रीलंका में 2.9 फीसदी, ब्रिटेन में 1.6 फीसदी, अमेरिका में 4.8 फीसदी और चीन में 17.7 फीसदी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अभी भी बहुत से लोग ऐसी बीमारियों से मर रहे है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि देश की आबादी का 3.9 फीसदी यानी 5.1 करोड़ भारतीय अपने घरेलू बजटा का एक चौथाई से ज्यादा खर्च इलाज पर ही कर देते हैं। जबकि श्रीलंका में ऐसी आबादी महज 0.1 फीसदी है, ब्रिटेन में 0.5 फीसदी, अमेरिका में 0.8 फीसदी और चीन में 4.8 फीसदी हैं। इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा खर्च करने वाली आबादी का वैश्विक औसत 11.7 फीसदी है। इनमें 2.6 फीसदी लोग अपनी आय का 25 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इलाज पर खर्च करते हैं और दुनिया के करीब 1.4 फीसदी लोग इलाज पर खर्च करने के कारण ही अत्यंत गरीबी का शिकार हो जाते हैं। देश के ग्रामीण अंचल में जब तक सही व समुचित स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध नहीं हो पायेगी तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य की योजना पूरी नहीं हागी। आज देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा की स्थिति बड़ी भयावह है। आये दिन समाचार पढ? को मिलते हैं कि एम्बुलेन्स के अभाव में मृतक को साईकिल पर बांधकर घर तक लाना पड़ता है। गांवो में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में लोगों को तांत्रिको के चक्कर लगाते देखा जा सकता है। निजी चिकित्सक भी कमाई के चक्कर में शहरों में ही काम करना पसन्द करते हैं। जब तक गांवो की तरफ ध्यान नहीं दिया जायेगा तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य का सपना पूरा नहीं हो पायेगा।

# शाहबाद के जंगल को बचाने जुटे स्थानीय नागरिक

**(नीलम आहुलवालिया-विभूति फीचर्स)**

राजस्थान के प्राचीन शाहाबाद जंगल को कटने से बचाने के लिए नागरिकों ने प्रधानमंत्री मोदी से अपील की है।

राजस्थान के बारां जिले के स्थानीय लोगों ने 500 किलोमीटर से अधिक की यात्रा करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिये ज्ञापन दिया है, ताकि प्राचीन, जैव विविधता से भरपूर शाहबाद के जंगल में 1.19 लाख पुराने पेड़ों और अनगिनत अन्य छोटे पेड़ों और झाड़ियों को कटने से बचाया जा सके। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकार ने हैदराबाद की ग्रीनको एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड नामक एक निजी कंपनी को बारां जिले के शाहबाद ब्लॉक में 408 हेक्टेयर वन भूमि पर पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट स्थापित करने की अनुमति दी है।

राजस्थान के बारां जिले की ग्राम पंचायत कुजेड़ के सरपंच प्रशांत पाटनी और दिल्ली आए शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन का प्रतिनिधित्व करने वाले नागरिक प्रतिनिधिमंडल के जो हिस्सा हैं, उनहोने कहा, ह्न1 अप्रैल 2025 को, हमने राजस्थान के झालावाड़-बारां निर्वाचन क्षेत्र के लोकसभा सांसद श्री दुष्यंत सिंह से नई दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें पीएम मोदी को संबोधित एक ज्ञापन दिया और 2 अप्रैल को हमने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला को ज्ञापन सौंपा। पिछले 6 महीनों में एक अभियान चलाया गया है जिसमें राजस्थान के नागरिकों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को 35000 से अधिक पोस्ट कार्ड भेजे गए हैं। नागरिकों की मांग है कि सरकार पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट ऐसी जगह बनाए जहां कोई घना जंगल या पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध न हो। ऐसा ही एक क्षेत्र कोटा जिले का रामगंज मंडी क्षेत्र और झालावाड़ जिले का भवानी मंडी क्षेत्र है, जहां कोटा स्टोन खदानों से मलबे के विशाल पहाड़ और सैकड़ों फीट गहरी खाइयां बन गई हैं। इस भूमि को पुनः प्राप्त करके वहां पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट लगाया जा सकता है। चीन परियोजनाओं के लिए खनन की गई भूमि को पुनः प्राप्त करने की इसी नीति का पालन करता है।

ज्ञापन में प्रधानमंत्री मोदी को विश्व वन्यजीव दिवस पर दिए गए उनके संदेश की याद दिलाई गई है जिसमें उन्होंने कहा था - "हम पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के बीच संघर्ष में विश्वास नहीं करते, बल्कि दोनों के बीच सह-अस्तित्व को महत्व देते हैं।

भारत के जलपुरुष के नाम से मशहूर डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा, "मैंने जनवरी 2025 में खुद शाहबाद के जंगल का दौरा किया था और पाया था कि यह बहुत घना जंगल है। ऐसे समय में जब भारत की जल सुरक्षा गंभीर रूप से खतरे में है, ऐसे जंगल पूरे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण जल पुनर्भरण क्षेत्र हैं और इन्हें हर कीमत पर संरक्षित करने की आवश्यकता है। आयुर्वेद विभाग के सेवानिवृत्त अतिरिक्त निदेशक डॉ. रमेश कुमार भूटिया ने शाहबाद के जंगल में वर्षों तक वनस्पति सर्वेक्षण किया है और उनके निष्कर्षों से पता चलता है कि पूरे देश में पाए जाने वाले 450 औषधीय पौधों में से आयुर्वेदिक दवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानी जाने वाली औषधीय जड़ी-बूटियों की 332 प्रजातियाँ पारिस्थितिक रूप से समृद्ध शाहबाद के जंगल में पाई जाती हैं। गिद्धों की लुप्तप्राय प्रजातियाँ अभी भी यहाँ के ऊँचे पेड़ों पर घोंसला बनाती हुई देखी जाती हैं। यदि इन पुराने पेड़ों को काट दिया गया, तो पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण ये पक्षी विलुप्त हो जाएँगे। इसके अलावा, जंगली सूअर आदि जैसे स्तनधारी जीवों की कई अन्य प्रजातियों का अस्तित्व भी दांव पर लगा है।

# डायबिटीज होने के बाद क्यों होता है जोड़ों में दर्द, क्या है इलाज?

भारत में आज डायबिटीज एक कॉमन बीमारी होती जा रही है. बहुत से लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं और जब शरीर में कोई बीमारी लंबे समय तक रहती है तो उसका असर धीरे-धीरे बाकी अंगों पर भी दिखने लगता है.अक्सर डायबिटिक मरीज ये शिकायत करते हैं कि उनके घुटनों, कंधों या कमर में दर्द रहने लगा है. ऐसे में एक सवाल मन में जरूर आता है कि क्या डायबिटीज और जोड़ों के दर्द का कोई संबंध है?

डायबिटीज सिर्फ ब्लड शुगर बढ़ने की बीमारी नहीं है. ये एक ऐसी स्थिति है जो धीरे-धीरे पूरे शरीर पर असर डालती है. जब ब्लड में शुगर का लेवल लगातार ज्यादा बना रहता है तो शरीर की नसों, मांसपेशियों और जोड़ों पर इसका असर दिखने लगता है. खासतौर से अगर डायबिटीज लंबे समय से है और ठीक से कंट्रोल नहीं की जा रही तो जोड़ सख्त होने लगते हैं, उनमें सूजन आने लगती है और दर्द भी बना रहता है.

**क्या है डायबिटीज और जोड़ों के दर्द का कनेक्शन**

शरीर में इंसुलिन की कमी या इंसुलिन का असर न दिखाना मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करता है. इस वजह से शरीर के टिशूज (ऊतक) सही से काम नहीं कर पाते और खासतौर से जोड़ों के आस-पास की मांसपेशियां और लुब्रिकेशन (जो जोड़ को आसानी से हिलने-डुलने में मदद करता है) कम होने लगता है. यही कारण है कि डायबिटीज वाले लोगों को अक्सर घुटनों में अकड़न, पीठ में खिंचाव या उंगलियों में जकड़न महसूस होने लगती है.

**कौन-कौन से दर्द होते हैं डायबिटीज में आम?**

डायबिटीज के चलते कुछ खास तरह के जोड़ों और मांसपेशियों से जुड़े दर्द आम हो जाते हैं. सबसे ज्यादा शिकायत फ्रोजन शोल्डर की होती है. इसमें कंधा हिलाने में दिक्कत होती है और बहुत दर्द रहता है. इसके अलावा डायबेटिक न्यूरोपैथी नाम की समस्या में नसों में जलन, झनझनाहट और दर्द हो सकता है, खासकर पैरों में. कई बार उंगलियों की गांठें सख्त हो जाती हैं, उन्हें मोड़ना मुश्किल हो जाता है. इसे मेडिकल भाषा में ड्यूप्यूट्रेन कॉन्ट्रैक्चर कहा जाता है. पैरों में भी जोड़ अकड़ने लगते हैं, जिससे चलना मुश्किल हो जाता है.

**डायबिटीज के चलते क्यों बिगड़ता है जोड़ों का हाल?**

डायबिटीज का असर हमारी ब्लड वेसल्स पर पड़ता है. जब नसों में खून का बहाव ठीक से नहीं हो पाता, तो टिशूज को ऑक्सीजन और जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते. इससे सूजन और जकड़न बढ़ती है।

# हीटवेव: भारत के लिए बढ़ता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट

**-डॉ.सत्यवान सौरभ**

गर्मी का मौसम भारत में नया नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी प्रकृति खतरनाक होती जा रही है। कभी मौसमी बदलाव माने जाने वाली हीटवेव अब हमारे शहरों और गांवों में एक नियमित आपदा का रूप ले चुकी है। वर्ष 2024 में उत्तर-पश्चिम भारत में 181 हीटवेव दिन दर्ज किए गए – जो अब तक का सबसे ऊंचा आँकड़ा है। यह संख्या केवल मौसम के आंकड़े नहीं हैं; यह जीवन, स्वास्थ्य और आजीविका पर मंडराते खतरे की स्पष्ट चेतावनी है। हीटवेव, सामान्य तापमान सीमा से अधिक अत्यधिक गर्मी की लंबी अवधि है, जो जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में और भी भीषण हो गई है। वर्ष 2024 में भारत में कई राज्यों में 554 हीटवेव के दिन दर्ज किए जिसमें अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया। इस वृद्धि ने गर्मी से संबंधित बीमारियों को बढ़ा दिया है, जो बुजुर्गों, मजदूरों और कम आय वाले समुदायों को असमान रूप से प्रभावित कर रहा है।

**हीटवेव और स्वास्थ्यः छाया की कमी, संकट की अधिकता**

अत्यधिक गर्मी का सीधा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है। डिहाईड्रेशन, हीट-स्ट्रोक, हृदयगति का तेज हो जाना, और सांस लेने में तकलीफ – ये सब हीटवेव के साथ आने वाली आम समस्याएं हैं। बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। झारखंड में इस साल बाल चिकित्सा वार्ड में डिहाईड्रेशन के मामलों में असामान्य वृद्धि दर्ज की गई। तेज शहरीकरण और हरियाली की कटौती ने शहरों को ताप द्वीप में बदल दिया है। दिल्ली जैसे शहरों में रात का तापमान भी सामान्य से 4-5 डिग्री अधिक बना रहता है। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों के लिए यह स्थिति कष्टदायक से जानलेवा तक हो सकती है।

**हीटवेव और जीवन व्यवस्था पर असर**

गर्मी के कारण स्कूल बंद होते हैं, पानी की सप्लाई बाधित होती है, बिजली कटौती आम हो जाती है। गरीब और मेहनतकश वर्ग, जिनके पास न ठंडी जगह होती है, न संसाधन, सबसे अधिक संकट में होते हैं। हीटवेव केवल सेहत का नहीं, आर्थिक उत्पादन का भी सवाल बन गई है। निर्माण श्रमिक, किसान और सड़क विक्रेता जैसी बाहरी कामकाज से जुड़े लोगों की उत्पादकता गिर रही है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, हीटवेव के कारण भारत में कार्य घंटों में 2.2% की गिरावट आ सकती है, जो GDP में 2.8% तक की हानि बन सकती है।

**सब पर असर एक जैसा नहीं होता**

हीटवेव की मार सभी पर एक समान नहीं होती। जिनके पास एयर कंडीशनर, स्वच्छ जल और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं हैं, वे अधिक सुभेद्य होते हैं। ग्रामीण महिलाएं जो जल लाने या खेतों में काम करती हैं, उन्हें दोगुना खतरा होता है। शहरों के गरीब बस्तियों में रहने वाले परिवारों के लिए हीटवेव असमानता का सबसे तेज रूप बन जाती है। हीटवेव से लड़ाई सिर्फ एक मौसमीय अलर्ट से नहीं लड़ी जा सकती। इसके लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली, शहरी नियोजन, स्वास्थ्य सेवा का विस्तार और सामुदायिक भागीदारी जरूरी है। अहमदाबाद, सूरत और भुवनेश्वर जैसे शहरों ने हीट एक्शन प्लान अपनाकर यह दिखाया है कि नियोजित प्रयासों से मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। सूरत में कूल रूफ योजना ने झुग्गियों में तापमान को 3झ4 डिग्री कम किया। भुवनेश्वर में भीड़ वाले बाजारों में पेयजल स्टॉल और छाया ढांचे लगाए गए।

**हीट गवर्नेंसः अब जरूरत है कानूनी और नीतिगत ढाँचे की**

सटीक ताप पूवार्नुमान और सार्वजनिक चेतावनियाँ स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने में मदद करती हैं। अहमदाबाद हीट एक्शन प्लान (2013) ने कलरझ्कोडेड अलर्ट पेश किए जिससे निवासियों और अस्पतालों को अत्यधिक तापमान वाली स्थिति के लिए तैयार होने में मदद मिली। अस्पतालों में कूलिंग स्पेस बनाना, स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित करना और पर्याप्त चिकित्सा आपूर्ति सुनिश्चित करना गर्मी से संबंधित मृत्यु दर को कम कर सकता है। ठाणे में हीटस्ट्रोक के मामलों पर नजर रखने और तत्काल चिकित्सा मध्यक्षेप प्रदान करने के लिए रियलटाइम निगरानी शामिल है । कूलिंग सेन्टर्स बनाना, ओरस पैकेट वितरित करना, और जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना, निम्न आय वाले समुदायों की सुरक्षा में मदद करता है। भुवनेश्वर में गर्मी से होने वाली थकावट को रोकने के लिए भीड़भाड़ वाले बाजारों में अस्थायी छाया संरचनाएँ और जलयोजन स्टेशन स्थापित किए गए थे। हरित आवरण का विस्तार, रिफ्लेक्टिव रूफ्स को बढ़ावा देना, और जलाशयों का निर्माण करके शहरी तापमान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। सूरत ने झुग्गी-झोपड़ियों में कूल-रूफ पहल शुरू की, जिससे घर के अंदर का तापमान 3-4 डिग्री सेल्सियस कम हो गया, जिससे हजारों निवासियों को लाभ हुआ।

## भारतीय मूल के जज अमेरिका में गिरफ्तार

**एजेंसी**

**टेक्सास।** भारतूय मूल के जज केपी जार्ज को अमेरिका में गिरफ्तार करने की खबर है। हालांकि बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। उधर जार्ज ने इसे राजनीतिक साजिश करार बताते हुए सभी आरोपों को खारिज कर दिया। मामला अमेरिका के टेक्सास राज्य के फोर्ट बेंड काउंटी का है। डिस्ट्रिक्ट अटार्नी के मुताबिक भारतीय मूल के जार्ज पर कथित तौर पर 30 हजार से 1.5 लाख डालर की मनी लांड्रिंग का आरोप है। इसके अलावा उन पर वायर फ्राड और चुनावी फंडिंग में गड़बड़ी के भी कथित आरोप लगे हैं। उन्हें गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल 20 हजार डालर की जमानत पर रिहा कर दिया गया है। अमेरिकी कानूनों के मुताबिक यदि वह दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें दस साल की कैद हो सकती है। केपी जार्ज 2018 से काउंटी जज के पद पर कार्यरत हैं।

## टैरिफ को लेकर सोमवार को अमेरिका जाएंगे नेतन्याहू

**तेल अवीव।** अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को लेकर अंतर्राष्ट्रीय जगत में खलबली का आलम है। इसी बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को अमेरिका के व्हाइट हाउस आ सकते हैं। इसके लिए इजराइल सरकार ने तैयारी शुरू कर दी हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दो अप्रैल को अपने नए टैरिफ का ऐलान किया है। इसे लेकर कई देश खासा दवाब महसूस कर रहे हैं। उनमें इजराइल भी है। सूत्रों का दावा है कि दो इजराइली अधिकारियों व एक व्हाइट हाउस के अधिकारी ने संकेत दिए हैं कि बेंजामिन नेतन्याहू सोमवार को टैरिफ के मुद्दे पर बात करने व्हाइट हाउस आ सकते हैं। उधर इजराइल के समाचार सेवा अरुत्ज का कहना हैं कि टैरिफ के ऐलान के बाद यह पहली बार होगा कि किसी देश के प्रमुख ट्रम्प से मिलने जाएंगे। साथ ही बातचीत से मुद्दे का हल तलाश करेंगे। गौरतलब है कि अमेरिका ने 60 देशों पर नए टैरिफ की घोषणा की है। इससे चीन समेत कुछ देशों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा तक कर दी है। इजराइल पर भी 17 फीसदी टैरिफ लगाया गया है।

## 'चेसबोर्ड किलर' ने कबूल किए 11 और हत्याएं, रूस की जेल सेवा का खुलासा

**मॉस्को।** रूस के कुख्यात सीरियल किलर अलेक्जेंडर पिचुश्किन, जिन्हें 'चेसबोर्ड किलर' के नाम से जाना जाता है, ने 11 और हत्याओं की बात कबूल की है। रूस की दंड सेवा ने यह जानकारी टेलीग्राम पर साझा की। पिचुश्किन को 2007 में 48 लोगों की हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। अब 50 वर्षीय पिचुश्किन ने जांचकर्ताओं को बताया है कि वह और 11 लोगों की हत्या की जिम्मेदारी लेने को तैयार है। पिचुश्किन ने 1992 से 2006 के बीच मास्को के बिटसेव्स्की पार्क में अपना आतंक फैलाया। वह अक्सर बेघर, बुजुर्ग और नशे में रहने वाले लोगों को अपना निशाना बनाता था। पूछताछ में उसने बताया था कि वह शतरंज की 64 वर्गों वाली बिसात के हर खाने पर एक सिक्का रखना चाहता था, हर शिकार के प्रतीक के रूप में। उसे रूस के सुदूर आर्कटिक क्षेत्र की 'पोलर आउल' जेल में रखा गया है। अब अगर इन 11 नई हत्याओं की पुष्टि होती है, तो पिचुश्किन रूस का दूसरा सबसे खतरनाक सीरियल किलर बन जाएगा। पहले नंबर पर पूर्व पुलिसकर्मी मिखाइल पोपकोव है, जिसे 78 हत्याओं के लिए दोषी ठहराया गया था। पिचुश्किन ने अपने मुकदमे के दौरान दावा किया था कि उसने 63 लोगों की जान ली है, लेकिन अभियोजन पक्ष ने उसे 48 हत्याओं और 3 हत्या के प्रयासों का ही दोषी माना था।

## अमेरिका-चीन तनाव के बीच ताइवान के सुरक्षा प्रमुख जोसेफ वू की ट्रंप प्रशासन से मुलाकात

**वॉशिंगटन।** अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख जोसेफ वू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ उच्च स्तरीय वार्ता के लिए वाशिंगटन पहुंचे हैं। मीडिय रिपोर्ट के मुताबिक वू स्पेशल चैनल के तहत एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, जो ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद इस चैनल का पहला उपयोग है। यह चैनल गोपनीय और अनौपचारिक वार्ताओं के लिए जाना जाता है।

जोसेफ वू का यह दौरा ऐसे समय पर हुआ है जब चीन ने हाल ही में ताइवान के पास दो दिवसीय सैन्य अभ्यास किया, जिसे अमेरिका और ताइवान दोनों ने क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया है। वहीं, चीन ने ताइवान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति विलियम लाई चिंग-ते को परजीवी कहकर संबोधित किया, जिसे ताइवान ने आपत्तिजनक और उकसावे वाला बताया है।दूसरी ओर, अमेरिका ताइवान को औपचारिक रूप से स्वतंत्र देश नहीं मानता, लेकिन वह उसका प्रमुख सैन्य और कूटनीतिक समर्थक बना हुआ है। ताइवान का कहना है कि उसकी भविष्य की दिशा केवल उसके नागरिक तय करेंगे। इस राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिका ने ताइवान से आने वाले आयात पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। यह चीन पर लगे 36 प्रतिशत टैरिफ से थोड़ा कम है, लेकिन ताइवान ने इस कदम को अनुचित बताया है। हालांकि, ताइवान ने बदले में कोई जवाबी टैरिफ नहीं लगाया और कूटनीतिक रास्ता अपनाने का फैसला किया है। अमेरिका के इस टैरिफ का सबसे बड़ा असर ताइवान के इलेक्ट्रॉनिक्स और स्टील उद्योग पर पड़ा है। इसके मद्देनजर सरकार ने 88 अरब ताइवान डॉलर (2.67 अरब अमेरिकी डॉलर) के राहत पैकेज की घोषणा की है और 200 अरब ताइवान डॉलर के सस्ते कर्ज की योजना भी पेश की है।

# भारत सदैव श्रीलंका के लोगों की विकास यात्रा का समर्थन करेगा : पीएम मोदी

**एजेंसी**

**कोलंबो।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीलंका के दौरे पर हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के साथ-साथ श्रीलंका के लोगों के विकास में भारत के निरंतर समर्थन पर जोर दिया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत और श्रीलंका के बीच महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, जिससे हमारे मैत्रीपूर्ण संबंध और मजबूत होंगे। इसके अतिरिक्त, प्रमुख परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया गया है, जिनसे श्रीलंका के अधिकांश लोगों को लाभ होगा। भारत सदैव श्रीलंका के लोगों की विकास यात्रा का समर्थन करेगा। पीएम मोदी ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, ÷कोलंबो में एक व्यस्त दिन, जिसमें राष्ट्रपति दिसानायके से बातचीत, कई बैठकें और आईपीकेएफ स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करना शामिल है।

वीडियो में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका का संबंध आपसी विश्वास और सद्भावना पर आधारित है। अपने लोगों की आकांक्षाओं और आशाओं को पूरा करने के लिए हम साथ मिलकर काम करते रहेंगे। आज श्रीलंका को वापस प्रगति के पथ पर देखकर हर्ष महसूस कर रहा हूं। भारत के लिए यह गर्व का विषय है कि हमने एक सच्चे पड़ोसी मित्र के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति दिसानायके द्वारा श्रीलंका मित्र विभूषण से सम्मानित किए जाने को गौरव की बात बताते हुए एक्स पर लिखा, यह सम्मान केवल मेरा सम्मान नहीं, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह भारत और श्रीलंका के लोगों के बीच ऐतिहासिक संबंधों और गहरी मित्रता का सम्मान है।

भारत ने 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन को अपनाया है। हम अपने साझेदार देशों की प्राथमिकताओं को भी महत्व देते हैं। हमारी पड़ोसी फर्स्ट नीति और विजन महासागर दोनों में श्रीलंका का विशेष स्थान है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में हम अपनी भागीदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

## चीन अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा

**एजेंसी**

**बीजिंग ।** अमेरिकी सरकार ने चीन से आयातित वस्तुओं पर 'पारस्परिक टैरिफ' लगाने की घोषणा की। अमेरिका की कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं है, चीन के वैध अधिकारों और हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाती है और एकतरफा धौंस-धमकी की एक विशिष्ट कार्रवाई है। चीन लोक गणराज्य के टैरिफ कानून, चीन लोक गणराज्य के सीमा शुल्क कानून, चीन लोक गणराज्य के विदेश व्यापार कानून और अन्य कानूनों और विनियमों और अंतर्राष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों के अनुसार और चीन के राज्य परिषद की मंजूरी के साथ, राज्य परिषद टैरिफ आयोग 10 अप्रैल, 2025 को 12 बजकर 01 मिनट से अमेरिका में तैयार आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा।

**प्रासंगिक मामले इस प्रकार हैं:** पहला, अमेरिका से आयातित सभी वस्तुओं पर वर्तमान लागू टैरिफ दर के आधार पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। दूसरा, वर्तमान बॉन्ड और कर कटौती/छूट नीतियां अपरिवर्तित रहेंगी

तथा अतिरिक्त शुल्कों में कटौती या छूट नहीं दी जाएगी। तीसरा, यदि माल को प्रस्थान के स्थान से 10 अप्रैल, 2025 को 12:01 बजे से पहले भेज दिया गया है और 10 अप्रैल, 2025 को 12:01 बजे से 13 मई, 2025 को 24:00 बजे तक इसके बीच आयात किया जाता है, तो इस घोषणा में निर्धारित अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

## बांग्लादेश में अंतरिम सरकार से स्पष्ट चुनावी रोडमैप की मांग, बीएनपी की देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की योजना

**एजेंसी**

**ढाका ।** बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) राष्ट्रीय चुनाव के लिए स्पष्ट रोडमैप प्रदान करने में अंतरिम सरकार की नाकामी को उजागर करने के लिए सहयोगियों के साथ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने पर विचार कर रही है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट यूएनबी ने बताया कि पार्टी ढाका में बड़े पैमाने पर सार्वजनिक रैली आयोजित करेगी और अंतरिम सरकार को चुनाव की तारीख की घोषणा करने के लिए समय सीमा तय करेगी। रैलियों का सिलसिला मई तक जारी रहेगा। 25 मार्च को राष्ट्र के नाम टेलीविजन संबोधन में यूनुस ने कहा कि चुनाव दिसंबर 2025 और जून 2026 के बीच होंगे। उन्होंने कहा कि सर्वसम्मति आयोग सभी राजनीतिक दलों से सुधारों पर सक्रिय रूप से राय एकत्र कर रहा है। बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अंतरिम सरकार का कार्यकाल बढ़ाने और चुनाव में देरी करने का जानबूझकर प्रयास किया जा रहा है। पार्टी ने चेतावनी दी कि अगर दिसंबर तक चुनाव नहीं हुए तो लोगों में अस्थिरता और तीव्र आक्रोश पैदा हो सकता है। बीएनपी महासचिव मिर्जा

फखरुल इस्लाम आलमगीर ने यूनुस के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ÷मैं बहुत निराश हूं कि मुख्य सलाहकार ने 25 मार्च को अपने भाषण में स्पष्ट चुनाव रोडमैप का उल्लेख नहीं किया। मेरा मानना ??है कि चुनाव रोडमैप का अभाव सरकार की राजनीतिक अनुभवहीनता को दर्शाता है। फरवरी में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बांग्लादेश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ÷पिछले कुछ समय से हम इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि सरकार के कुछ अधिकारी लोगों के अधिकारों की बहाली के बारे में विरोधाभासी टिप्पणियां कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों में अशांति फैल गई है। बांग्लादेश में राजनीतिक संगठनों की बहुचर्चित एकता, जो अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित अवामी लीग सरकार को हटाने के दौरान पूरी तरह से प्रदर्शित हुई थी, धीरे-धीरे फीकी पड़ रही है। पिछले सात महीनों में देश के संकट में फंसने के साथ, कई राजनीतिक नेता, जो पहले यूनुस का समर्थन करते थे, अब उनकी खुलकर आलोचना कर रहे हैं, खासकर राष्ट्रीय चुनाव कराने में हुई लंबी देरी को लेकर।

## यमन के सादा पर अमेरिकी हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत, चार घायल

**एजेंसी**

**सना।** यमन के उत्तरी शहर सादा में रात एक सौर ऊर्जा स्टोर और एक घर पर हुए अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। चिकित्सकों ने हमले की जानकारी देते हुए हताहतों की संख्या को प्रारंभिक बताया है, तथा कहा है कि नागरिक सुरक्षा दल पश्चिमी सादा शहर के हफ़सिन क्षेत्र में लक्षित स्थलों पर आग बुझाने तथा पीड़ितों की खोज में लगे हुए हैं। इससे पहले हूती समूह ने अमेरिका के इस दावे का खंडन किया था कि लाल सागर के बंदरगाह शहर हुदैदाह में उसके सैन्य नेताओं की बैठक को निशाना बनाकर अमेरिकी हवाई हमला किया गया था। हूती समूह के अल-मसीरा टीवी द्वारा जारी एक बयान में, अमेरिकी दावों में उल्लिखित घटना को ईद की छुट्टियों के लिए एक सामाजिक समारोह बताया तथा कहा कि छुट्टियों के दौरान यमन में इस तरह का आयोजन एक आम बात है। उल्लेखनीय है कि 15 मार्च को, अमेरिकी सेना ने यमन में हवाई हमलों का एक नया दौर शुरू किया, जिसका

उद्देश्य हूतियों की परिचालन क्षमता को कमज़ोर करना था। पिछले दो हफ़्तों में, अमेरिकी सेना ने कई प्रांतों में हूती वायु रक्षा प्रणालियों, कमांड सेंटरों, किलेबंद ठिकानों और हथियार डिपो को निशाना बनाकर एक श्रृंखलावार हमला किया है। हूतियों ने गाजा पट्टी में मानवीय सहायता पर इजरायल की रोक का हवाला देते हुए कहा था कि वे लाल सागर और अदन की खाड़ी में इजरायल से जुड़े वाणिज्यिक और नौसैनिक जहाजों पर फिर से हमला शुरू करेंगे। समूह का कहना है कि उसके समुद्री अभियानों का उद्देश्य फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाना तथा गाजा में इजरायली सैन्य अभियान को लेकर उस पर दबाव डालना है।

## प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान श्रीलंका ने 14 भारतीय मछुआरों को किया रिहा

**एजेंसी**

**कोलंबो।** श्रीलंका ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान 14 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया। रिहाई से पहले प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें मछुआरों की गिरफ्तारी को लेकर विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता में अपनी टिप्पणी के दौरान कहा, हमने मछुआरों के मुद्दों पर चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना है। हमने मछुआरों की तत्काल रिहाई और उनकी नावों की वापसी पर जोर दिया। श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा मुख्य रूप से तमिलनाडु के भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी तनाव का एक मुद्दा रहा है। 2025 की शुरुआत से, 119 भारतीय मछुआरों और 16 मछली पकड़ने वाली नावों को

कथित तौर पर श्रीलंकाई बलों द्वारा पकड़ा गया है, जिससे तटीय समुदायों में चिंता बढ़ गई है और हस्तक्षेप के लिए बार-बार अपील की गई है। वार्ता के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, हमें बताया गया है कि श्रीलंकाई अधिकारियों ने 11 मछुआरों को तुरंत रिहा करने का फैसला किया है और शायद आने वाले दिनों में कुछ और मछुआरों को रिहा किया जाएगा। मिस्री ने कहा, यह एक ऐसा विषय था जिस पर दोनों पक्षों के बीच काफी विस्तार से चर्चा हुई। जैसा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के दौरान खुद कहा। इन मुद्दों पर सहयोग के लिए मानवीय और रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया क्योंकि ये ऐसे मुद्दे हैं जो अंततः दोनों पक्षों के मछुआरों की आजीविका को प्रभावित करते हैं। 14 भारतीय मछुआरों की रिहाई पीएम मोदी की यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक और विकासात्मक कार्यक्रमों के बीच हुई, जिसमें भारत समर्थित रेलवे परियोजनाओं जैसे कि अपग्रेडेड महो-ओमानथाई रेलवे ट्रैक और महो-अनुराधापुरा खंड के लिए नवनिर्मित सिग्नलिंग सिस्टम का संयुक्त उद्घाटन शामिल था।

## नेपाल में शिक्षकों की सोमवार से देशव्यापी हड़ताल, सभी शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल सरकार के शिक्षा और शिक्षकों से संबंधित नए कानून को लेकर देशभर के शिक्षकों ने हड़ताल की घोषणा की है। पिछले तीन दिनों से लगातार काठमांडू में प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों ने सरकार की उदासीनता के विरोध में सोमवार से आम हड़ताल करने की घोषणा की है। धरना-प्रदर्शन के चौथे दिन नेपाल शिक्षक महासंघ ने आज एक बयान में सोमवार से देशव्यापी शिक्षण संस्थानों में हड़ताल की घोषणा करते हुए कहा कि सभी सरकारी तथा निजी विद्यालयों में सोमवार से पठन-पाठन का कार्य नहीं होगा। महासंघ ने नई शिक्षा नीति नहीं लाने तक हड़ताल जारी रखने की चेतावनी दी है। काठमांडू के माहिती घर से लेकर बागेश्वर तक देश भर से आए शिक्षकों ने आज भी प्रदर्शन को जारी रखा। नेपाल शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष लक्ष्मी किशोर सूबेदी ने देशभर के शिक्षकों से पठन-पाठन का काम छोड़कर इस विरोध प्रदर्शनमें शामिल होने का आह्वान किया है। इसी के

चलते हाल ही में दसवीं और 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तर पुस्तिका की जांच भी रोक दी गई है। नेपाल शिक्षक महासंघ की इस आम हड़ताल को देश के निजी तथा सरकारी विद्यालयों के संगठनों ने भी अपना समर्थन दिया है।

## ऑपरेशन ब्रह्मा: भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को 442 टन खाद्य सहायता पहुंचाई

**एजेंसी**

**यांगून।** भूकंप से तबाह म्यांमार को मानवीय सहायता जारी रखते हुए भारत ने चल रहे 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत अतिरिक्त 442 टन खाद्य सहायता पहुंचाई। राहत सामग्री लेकर भारतीय नौसेना का जहाज घड़ियाल म्यांमार के थिलावा बंदरगाह पहुंचा। म्यांमार में भारतीय राजदूत अभय ठाकुर ने इसे औपचारिक रूप से यंगून के मुख्यमंत्री यू सोई थीन और उनकी टीम को सौंप दिया। यंगून में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'प्रभावित लोगों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। भारतीय नौसेना के लैंडिंग शिप टैंक आईएनएस घड़ियाल द्वारा लाई गई खाद्य सहायता (चावल, खाना पकाने का तेल, नूडल्स और बिस्कुट) की एक बड़ी खेप थिलावा बंदरगाह पर पहुंची। राजदूत अभय ठाकुर ने इसे यंगून के सीएम यू सोई थीन और उनकी टीम को सौंप दिया। भारत ने 28 मार्च को म्यांमार में आए

विनाशकारी 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद खोज और बचाव (एसएआर), मानवीय सहायता, आपदा राहत और चिकित्सा सहायता सहित आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया। अपने पड़ोस में संकट के समय फर्स्ट रिस्पांडर के रूप में कार्य करते हुए, भारत ने 1 अप्रैल तक 625 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) सामग्री पहुंचाने के लिए छह विमान और पांच नौसैनिक जहाज भेजे थे। पीएम मोदी ने बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमार के प्रधानमंत्री और राज्य प्रशासन परिषद के अध्यक्ष वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की और देश में आए विनाशकारी भूकंप के बाद की स्थिति पर चर्चा की। वरिष्ठ जनरल ने मानवीय सहायता, आपदा राहत और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत भारत द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने संदेश दिया कि संकट के इस समय में भारत म्यांमार के साथ खड़ा है और जरूरत पड़ने पर और अधिक भौतिक सहायता और संसाधन तैनात करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने समावेशी और विश्वसनीय चुनावों के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जल्द बहाली के महत्व को भी रेखांकित किया था।

## ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के खिलाफ अमेरिकी शहरों में विरोध प्रदर्शन

**एजेंसी**

**न्यूयॉर्क।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन द्वारा जनवरी से लागू की गई विवादास्पद नीतियों के खिलाफ पूरे अमेरिका के दर्जनों शहरों में विरोध प्रदर्शन किया गया। अर्थव्यवस्था, आव्रजन और मानवाधिकारों के मुद्दे पर ट्रम्प का विरोध करने के लिए प्रदर्शनकारियों की भीड़ सड़कों पर उतरी। नागरिक अधिकार संगठनों, श्रमिक संघों और सेवानिवृत्त सैनिकों के संघों सहित 150 से अधिक समूहों के गठबंधन द्वारा आयोजित इस समन्वित कदम के परिणामस्वरूप पूरे देश में 1,400 से अधिक विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी राज्य राजधानियों, संघीय भवनों, कांग्रेस कार्यालयों, सामाजिक सुरक्षा प्रशासन मुख्यालयों, नगर भवन और सार्वजनिक पार्कों में एकत्रित हुए। हैंड्स ऑफ के बैनर तले किए गए इस आंदोलन में कई तरह के विरोध प्रदर्शन और नारे शामिल थे, जैसे कुलीनतंत्र का अंत करो, गाजा को जीने दो और सामाजिक सुरक्षा बचाओ। अभियान की आधिकारिक

वेबसाइट handsoff w®wz.com पर एक लेख में कहा गया कि 'यह आधुनिक इतिहास में सबसे बेशर्मी से सत्ता हथियाने को रोकने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर पर लामबंदी है। ट्रंप, मस्क और उनके अरबपति मित्र हमारे सरकार, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे मूल अधिकारों पर पूर्ण आक्रमण की योजना बना रहे हैं, जिसे हर कदम पर कांग्रेस द्वारा समर्थित किया जा रहा है। कुछ निर्वाचित अधिकारी भी इस अभियान में शामिल हुए। बोस्टन की मेयर मिशेल वू ने कहा कि वह नहीं चाहतीं कि उनके बच्चे और अन्य लोग ऐसी दुनिया में रहें जहां धमकी और भय ही सरकार का साधन हो और विविधता और शांति जैसे मूल्यों पर हमला हो। आयोजकों के अनुसार, लगभग 600,000 लोगों ने हैंड्स ऑफ आंदोलन के लिए हस्ताक्षर किए हैं पदभार ग्रहण करने के बाद से ट्रम्प प्रशासन को व्यापक नीतिगत परिवर्तनों के लिए भारी आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिसमें संघीय एजेंसियों में बड़े पैमाने पर छंटनी, आप्रवासियों का निर्वासन, बजट में भारी कटौती और कई देशों पर टैरिफ लगाना शामिल है।

## मिस्र और फ्रांस के नेताओं ने गाजा में तत्काल युद्ध विराम का किया आह्वान

**काहिरा।** मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी और उनके फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रों ने फोन पर बातचीत की और इस दौरान दोनों नेताओं ने गाजा पट्टी में तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया और शांति बहाल करने तथा मानवीय सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। नेताओं ने इस बात पर बल दिया कि क्षेत्र में स्थायी शांति प्राप्त करने के लिए दो-राज्य समाधान आवश्यक है। उन्होंने गाजा में युद्ध विराम के लिए मिस्र के प्रयासों पर भी चर्चा की और रविवार को मैक्रों की मिस्र की निर्धारित यात्रा से पहले द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। बयान के अनुसार, मैक्रों की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान काहिरा में मिस्र, फ्रांस और जॉर्डन की त्रिपक्षीय शिखर बैठक आयोजित करने की संभावना पर भी विचार किया गया।

उल्लेखनीय है कि इजरायल ने 18 मार्च को हमास के साथ दो महीने का युद्ध विराम समाप्त कर दिया और फिलिस्तीनी क्षेत्र पर हवाई और जमीनी हमला फिर से शुरू कर दिया। इजरायली रक्षा बलों के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने गुरुवार को कहा था कि सेना ने गाजा में अपने आक्रमण में एक नए चरण में प्रवेश किया है।गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि इजरायल के नए हमलों में कम से कम 1,309 फिलिस्तीनी मारे गए हैं जबकि 3,184 अन्य घायल हुए हैं।

## रेल से रिश्तों की रफ्तार: श्रीलंका में पीएम मोदी ने किया दो परियोजनाओं का लोकार्पण

**एजेंसी**

**अनुराधापुरा।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ अनुराधापुरा में भारत द्वारा समर्थित दो बड़ी रेल परियोजनाओं का उद्घाटन किया।इस मौके पर दोनों नेताओं ने महो-ओमानथाई रेलवे ट्रैक को बेहतर बनाने और महो-अनुराधापुरा खंड के लिए नई सिग्नलिंग प्रणाली शुरू की। यह दोनों परियोजनाएं भारत की मदद से बनाई गई हैं और इनसे श्रीलंका के उत्तरी रेलवे नेटवर्क में कनेक्टिविटी और सुरक्षा में सुधार होने की उम्मीद है। यह आयोजन अनुराधापुरा रेलवे स्टेशन पर हुआ और यह भारत-श्रीलंका के बीच बढ़ते बुनियादी ढांचे के सहयोग का एक महत्वपूर्ण कदम है। नेताओं का स्वागत करने के लिए स्टेशन पर बड़ी संख्या में उत्साहित स्थानीय लोग जुटे थे। ये रेल परियोजनाएं भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत काम करने वाली सार्वजनिक कंपनी इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा बनाई गई हैं। इरकॉन के सीएमडी हरि मोहन गुप्ता ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, ÷आज का दिन बहुत खास है क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति मिलकर 128 किलोमीटर लंबी उन्नत रेलवे परियोजना को

देश को समर्पित कर रहे हैं, जो पहले बहुत खराब हालत में थी। उन्होंने यह भी कहा, यह भारत और श्रीलंका दोनों के लिए गर्व का पल है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति दिसानायके ने आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धेय जया श्री महाबोधि मंदिर का दौरा किया।यह मंदिर एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थल है, जिसमें पवित्र बोधि वृक्ष मौजूद है। माना जाता है कि यह बोधि वृक्ष सम्राट अशोक की बेटी थेरी संघमित्रा द्वारा भारत से लाए गए पौधे से पनपा था।

सद्भावना का प्रतीक बनते हुए मंदिर के मुख्य पुजारी ने प्रधानमंत्री मोदी की कलाई पर रक्षा सूत्र (सुरक्षा धागा) बांधा। प्रधानमंत्री मोदी अनुराधापुरा पहुंचे, जहां उन्हें श्रीलंकाई वायुसेना द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यात्रा के एक खास पल को शेयर करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर श्रीलंकाई राष्ट्रपति के साथ एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने लिखा, अपने मित्र, राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ अनुराधापुरा में। दोनों नेताओं ने कोलंबो में विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए विस्तार से चर्चा की थी। वार्ता के बाद प्रधानमंत्री मोदी को श्रीलंका मित्र विभूषण से सम्मानित किया गया, जो श्रीलंका का एक प्रमुख नागरिक सम्मान है। यह सम्मान भारत के निरंतर समर्थन और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तिगत योगदान को मान्यता देता है। इस दिन कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी हुए, जिसमें दोनों नेताओं ने बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और विकास के क्षेत्रों में भारत समर्थित नई परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

## सीएसके की खिलाड़ी डॉक्यूमेंट्री ' द मेकिंग ऑफ' लांच

**चेन्नई।** पांच बार आईपीएल जीतने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने 'द मेकिंग ऑफ' नाम से अपनी दूसरी खिलाड़ी डॉक्यूमेंट्री सीरीज़ लॉन्च कर दी है। सीरीज़ का दूसरा एपिसोड श्रीलंकाई गेंदबाज़ मथीशा पथिराना के जीवन यात्रा पर आधारित है। 'मेकिंग ऑफ' सीरीज़ टीम के स्टार खिलाड़ियों के जीवन पर गहराई से नज़र डालती है और बचपन से लेकर मैदान पर उनकी मौजूदा सफलता तक के सफ़र को दिखाती है। सीरीज का पहला एपिसोड सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर था। सीएसके की एक विज्ञप्ति के अनुसार, दर्शकों को पथिराना के बचपन के दिनों की झलक मिलेगी कि कैसे उन्होंने अपना अनूठा एक्शन विकसित किया और सीएसके और श्रीलंका की राष्ट्रीय टीम तक का उनका सफ़र कैसा रहा। पर्दे के पीछे की विशेष फुटेज, पथिराना, उनके परिवार और बचपन के कोचों के साथ साक्षात्कार के साथ, 'द मेकिंग ऑफ मथीशा पथिराना' प्रशंसकों को एक अद्वितीय गेंदबाजी एक्शन वाले व्यक्ति और उनकी सफलता की कहानी के बारे में एक अंतरंग दृश्य प्रदान करता है। आइकॉनिक एमएस धोनी के साथ अपने रिश्ते के बारे में मथीशा पथिराना कहते हैं वह मेरे पिता जैसे हैं क्योंकि उन्होंने मुझे सीएसके में जो समर्थन, मार्गदर्शन और सलाह दी, वह मेरे लिए बहुत मायने रखती है। इसलिए, यह मेरे पिता द्वारा मेरे घर में किए गए काम से बहुत मिलता-जुलता है। इसलिए, मैं धोनी को अपना क्रिकेट पिता मानता हूँ।

## मोदी ने श्रीलंका की विश्व विजेता टीम से की मुलाकात

**कोलंबो।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पड़ोसी देश श्रीलंका के अपने संक्षिप्त दौरे में 1996 की वनडे क्रिकेट विश्व विजेता टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की। श्री मोदी ने इस मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुये लिखा क्रिकेट से जुड़ें। 1996 की श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के सदस्यों से बातचीत करके बहुत खुशी हुई, जिसने उस साल विश्व कप जीता था। इस टीम ने अनगिनत खेल प्रेमियों की कल्पना पर कब्ज़ा कर लिया था। श्रीलंकाई क्रिकेट के पूर्व खिलाड़ी सनत जयसूर्या ने भी क्रिकेट टीम के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा की। उन्होंने लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिलने का शानदार अवसर देने के लिए धन्यवाद। यह वास्तव में एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव था। श्रीलंका के लोग हमारे सबसे कठिन समय के दौरान आपके और भारत के लोगों द्वारा दिए गए उदार समर्थन को हमेशा याद रखेंगे। मैंने उत्तर और पूर्व में क्रिकेट को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए जाफना में एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम स्थापित करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री से सम्मानपूर्वक समर्थन का अनुरोध किया। आपके समय, दयालुता और निरंतर मित्रता के लिए एक बार फिर धन्यवाद। जयसूर्या ने मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 1996 वनडे विश्व कप की क्रिकेट टीम के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करना एक शानदार अवसर था।

## सिफत ने आईएसएसएफ विश्व कप में भारत को दिलाया पहला स्वर्ण पदक

**अमृतसर।** गुरु नानक देव विश्वविद्यालय की प्रतिभाशाली एथलीट और बीपीईएस सेमेस्टर तीन की छात्रा और भारत की प्रसिद्ध निशानेबाज सिफत कौर समरा ने आईएसएसएफ विश्व कप 2025 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल-3 पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। यह जीत इस विश्व कप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक है। सिफत की यह उपलब्धि उसकी निरंतर मेहनत, प्रतिभा और गुरु नानक देव विश्वविद्यालय की शूटिंग कोच मिस राजविंदर कौर के अथक मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने भी सिफत को उसके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर करमजीत सिंह ने सिफत की उल्लेखनीय जीत की प्रशंसा करते हुए कहा, ÷यह स्वर्ण पदक हमारे देश में खेलों के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है और गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। सिफत हमारे छात्रों के लिए एक आदर्श हैं, जो उन्हें सिखाती हैं कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से कुछ भी संभव है।÷ उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय ने लगातार खेलों में उत्कृष्टता हासिल की है और 25 बार अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी जीती है। हाल ही में एथलीटों ने अंतर-विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में शीर्ष स्थान हासिल करके राष्ट्रीय स्तर पर पदक भी हासिल किए हैं।

## दीदी मेरा बहुत साथ देती हैं: महिमा टेटे

**बेंगलुरु।** हॉकी झारखंड के साथ सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीतने से लेकर सीनियर नेशनल कैंप में जगह बनाने तक महिमा टेटे के लिए पिछले कुछ सप्ताह शानदार रहे हैं। 21 वर्षीय महिमा वर्तमान में अपनी बड़ी बहन कैप्टन सलीमा टेटे सहित सीनियर खिलाड़ियों के साथ साई, बेंगलुरु में ट्रेनिंग कर रही हैं। ट्रेनिंग के दौरान सलीमा के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुये महिमा ने कहा, मैं हमेशा अपनी बहन के नक्शेकदम पर चलना चाहती थी और अपने देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहती थी। इसलिए अब जब मैं भी यहाँ हूँ, उसके साथ ट्रेनिंग कर रही हूँ, तो मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। जब मैं कुछ गलत करती हूँ, तो वह मेरे पास आती है और मुझे सुधारने के लिए मार्गदर्शन करती है। दीदी मेरा बहुत साथ देती है। महिमा ने यह भी कहा कि कैंप में शामिल होने से पहले उनकी बहन ने उन्हें कई महत्वपूर्ण जानकारी दी थी। उसने मुझे कड़ी मेहनत करने और किसी भी चीज़ से पीछे न हटने के लिए कहा। उसने मुझे मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने के लिए कहा।

# राजस्थान रॉयल्स की धमाकेदार जीत, पंजाब किंग्स को उसके घर में 50 रनों से हराया

एजेंसी

**मोहाली।** आईपीएल के 18वें सीजन में खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को उसके घरेलू मैदान मुल्लांपुर में 50 रनों से करारी शिकस्त दी। पंजाब की यह इस सीजन की पहली हार रही, जबकि राजस्थान ने दमदार वापसी के संकेत दिए हैं। मैच की शुरुआत पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर द्वारा टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लेने से हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 205 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने तूफानी अंदाज में 67 रन (45 गेंद, 3 चौके, 5 छक्के) की पारी खेली, जबकि संजू सैमसन ने 38 रन बनाए। अंतिम ओवर्स में रियान पराग (नाबाद 43) और ध्रुव जुरेल (13) ने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब की टीम दबाव में दिखी। पहले ही ओवर में जॉफ्रा आर्चर ने प्रियांस आर्या को बोल्ड कर

शुरुआत में ही झटका दिया। अगले ही ओवर में श्रेयस अय्यर भी आर्चर की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद बल्लेबाजों के आउट होने की लाइन लग गई। प्रभसिमरन सिंह और मार्कस स्टोइनिस भी जल्दी पवेलियन लौटे। हालांकि नेहाल वढेरा (62 रन) और ग्लेन मैक्सवेल (30 रन) ने 88 रनों की साझेदारी कर मैच में जान फूंक दी, लेकिन 15वें ओवर के बाद दोनों के आउट होते ही पंजाब की पारी बिखर गई। पूरी टीम 20 ओवर में 155 रन ही बना सकी। राजस्थान की ओर से आर्चर ने तीन, संदीप शर्मा और मथीशा तीक्षणा ने दो-दो विकेट लिए। हसारंगा और कुमार कार्तिकेय को एक-एक सफलता मिली।

कप्तान सैमसन के नाम रिकॉर्ड

आज के मैच में मिली जीती के बाद संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्य के कप्तान के रूप में इतिहास रच दिया। उन्होंने आईपीएल इतिहास में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान के रूप में सबसे अधिक जीत के रिकॉर्ड के लिए दिग्गज स्वर्गीय शेन वार्न को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलियाई आइकन ने 55 मैचों में 31 जीत दर्ज की थीं, लेकिन आज पंजाब के हराते ही यह रिकॉर्ड अब संजू सैमसन के नाम हो गया। संजू की कप्तानी में राजस्थान ने 62 मैचों में 32 में जीत दर्ज की है।

## धोनी के संन्यास को लेकर फ्लेमिंग ने साधी चुप्पी

एजेंसी

**चेन्नई।** महेन्द्र सिंह धोनी के आईपीएल से संभावित संन्यास को लेकर गर्म अटकलों के बीच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इस मामले पर कुछ भी बयान देने से मना कर दिया है। दिल्ली के खिलाफ मिली हार के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में धोनी के सन्यास को लेकर पूछे गये सवाल पर फ्लेमिंग ने कहा अटकलों पर विराम लगाना मेरा काम नहीं है। मुझे कोई जानकारी नहीं है। मैं अभी भी उनके साथ काम करने का आनंद ले रहा हूं। वह अभी भी मजबूत हैं। मैं इन दिनों पूछता भी नहीं हूं। आप ही पूछते हैं।धोनी के माता पिता पहली बार चेपक में आईपीएल मैच देखने गये थे जिसके बाद उनके आईपीएल संन्यास को लेकर चर्चाएं चरम पर पहुंच गयी कि दिग्गज क्रिकेटर जल्द ही खेल से संन्यास की घोषणा कर सकते हैं। प्रशंसक अपनी सांस रोक कर आईपीएल सीजन के जारी रहने के संकेत का इंतजार कर रहे हैं। धोनी के हालिया बल्लेबाजी प्रदर्शन की काफी आलोचना हुई है, खासकर आज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सीएसके के 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान जब धोनी क्रीज पर आए तो टीम को नौ ओवर में 110 रनों की जरूरत थी। हालांकि, विजय शंकर के साथ उनकी साझेदारी में 56 गेंदों पर केवल 84 रन ही बने। शंकर ने 54 गेंदों पर 69 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि धोनी ने 26 गेंदों पर महज 115.38 के स्ट्राइक रेट के साथ 30 रन बनाए, जिसकी काफी आलोचना हुई। प्रशंसकों को धोनी के पुराने प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन यह उम्मीदों से कम रहा, खासकर शंकर के 127.78 के स्ट्राइक रेट की तुलना में। सीएसके के ओवर आल प्रदर्शन ने भी चिंता बढ़ा दी है। सीएसके वर्तमान में अपने पहले चार मैचों में से केवल एक जीत के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। अगर हार का सिलसिला जारी रहा, तो प्लेऑफ में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें खतरे में पड़ सकती हैं।

## भारत के सबसे महंगे रग्बी खिलाड़ी बने मोहित खत्री, जून में होगा आरपीएल सीजन-1 का आगाज

एजेंसी

**मुंबई।** भारत में पहली बार फ्रेंचाइजी आधारित रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) का आयोजन होने जा रहा है। जीएमआर और इंडियन रग्बी फुटबॉल यूनियन द्वारा आयोजित इस लीग का उद्घाटन संस्करण जून में मुंबई में होगा, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

पहले सीजन में बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स, चेन्नई बुल्स, दिल्ली रेड्ज, हैदराबाद हीरोज, कलिंगा ब्लैक टाइगर्स और मुंबई ड्रीमर्स मैदान में उतरेंगी। प्रत्येक टीम ने 13 खिलाड़ियों की स्क्वाड बनाया है, जिसमें आठ इंटरनेशनल खिलाड़ियों को ड्राफ्ट से और 5 भारतीय खिलाड़ियों को नीलामी के माध्यम से चुना गया।

नीलामी में मोहित खत्री को बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स ने 4.75 लाख रुपये में खरीदा, जिससे वे भारत के सबसे महंगे रग्बी खिलाड़ी बन गए। उनके साथ ही करण राजभर, अर्पण छेत्री, सुरेश कुमार और प्रशांत सिंह को भी टीम ने अपने साथ जोड़ा।

यह टूर्नामेंट रग्बी सेवन फॉर्मेट में 01 जून से शुरू होगा और 15 जून को अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भव्य फाइनल के साथ संपन्न होगा। 34

मैचों में भारत और दुनिया भर के 48 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, फिजी, अर्जेंटीना, आयरलैंड और अमेरिका जैसे देशों के सितारे शामिल हैं। जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ सत्यम त्रिवेदी ने कहा, आरपीएल भारत में रग्बी को एक नया मुकाम देगा। इससे भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर सीखने का शानदार अवसर मिलेगा। इंडियन रग्बी फुटबॉलल यूनियन के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, ÷छह साल की मेहनत के बाद ये सपना साकार हुआ है। वर्ल्ड रग्बी की मदद से हमें 15 दिन की विंडो मिली, जिसमें दुनियाभर के स्टार खिलाड़ी उपलब्ध हैं।

## राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप: हिमाचल-अरुणाचल की बड़ी जीत, चंडीगढ़-गोवा भी विजयी

एजेंसी

**झांसी।** 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के दूसरे दिन का खेल बेहद रोमांचक रहा। हॉकी राजस्थान, हॉकी अरुणाचल, छत्तीसगढ़ हॉकी, हॉकी हिमाचल, हॉकी चंडीगढ़ और गोवन्स हॉकी ने लगातार दूसरी जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में अपनी मजबूत स्थिति बना ली है। डिवीजन 'सी' में पहले मुकाबले में हॉकी राजस्थान ने हॉकी जम्मू-कश्मीर को कड़े मुकाबले में 5-4 से हराया।

राजस्थान की ओर से विशाल कुमार ने दो गोल (13', 47') किए, जबकि पुलकित केसरी, विक्रम सिंह राठौड़ और अनुराग ने एक-एक गोल दागा। वहीं जम्मू-कश्मीर के विषु शर्मा ने दो गोल (10', 50') किए।दूसरे मैच में हॉकी अरुणाचल ने त्रिपुरा हॉकी को 20-0 के विशाल अंतर से हराया। अरुणाचल के अभिनव सिंह ने छह गोल किए और बृजेश यादव ने चार गोल दागे। जय प्रकाश पटेल और शहबाज़ खान ने हैट्रिक पूरी की जबकि नीरज, विशाल कुमार और कप्तान प्रांजल मिश्रा ने भी गोल किए। तीसरे मैच में छत्तीसगढ़ हॉकी ने बिहार हॉकी संघ को 15-0 से शिकस्त दी। टीम के लिए अर्जुन यादव, के.सी. बोप्पन्ना, कार्तिक यादव, शैलेन्द्र वर्मा और सोनू निषाद ने दो-दो गोल किए। एक अन्य मैच में हॉकी हिमाचल ने हॉकी गुजरात को 17-1 से हराया। हर्ष और रजत शर्मा ने पांच-पांच गोल, अमित कुमार ने हैट्रिक और आयुष ने दो गोल किए। डिवीजन 'बी' के मुकाबले में हॉकी चंडीगढ़ ने तेलंगाना हॉकी को कड़े मुकाबले में

2-1 से हराया। चंडीगढ़ की ओर से मोहित और दिलीप पाल ने गोल किए। दिन के आखिरी मैच में गोवन्स हॉकी ने हॉकी आंध्र प्रदेश को 5-1 से हराया। टीम के त्रिशूल गणपति, अयाज़ खान, महादेव नाइक, साहिल चारी और इस्सुब सय्यद ने शानदार प्रदर्शन किया।

## न्यूजीलैंड ने तीसरे वनडे में पाकिस्तान को 43 रन से हराया, 3-0 से सीरीज की अपने नाम

एजेंसी

**बे ओवल।** न्यूजीलैड क्रिकेट टीम ने तीसरे और अंतिम वनडे मैच में पाकिस्तान की टीम को 43 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर लिया। यह मैच बारिश के बाद आउटफील्ड के गीला होने के कारण 42-42 ओवर का ही खेला गया।

दरअसल आउटफील्ड के गीला होने के कारण टॉस में देरी हुई, जिस वजह से मैच 50-50 से घटकर 42-42 ओवर का कर दिया गया। मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने बल्लेबाजी और 42 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए। इसके जवाब में

पाकिस्तान की टीम 40 ओवर में 221 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह पाकिस्तान यह मैच 43 रनों के बड़े अंतर से हार गई। माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेले गए तीसरे वनडे मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम का पहला विकेट 13 रन के स्कोर पर गिरा। सलामी बल्लेबाज निक केली 3 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद राइस मारिउ ने 61 गेंदों में 58 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 40 गेंदों पर धमाकेदार 59 रन बनाए।

उन्होंने इस पारी में 6 छक्के और एक चौका लगाया। इनके अलावा डेरिल मिचेल ने 43 रन, हेनरी निकोल्स 31 रन और टिम सेफर्ट 26 रन का योगदान दिया। इससे टीम 42 ओवर में 8 विकेट खोकर 264 रन बनाने में कामयाब रही। पाकिस्तान की ओर से आकिफ जावेद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। नसीम शाह ने 2, फहीम अशरफ और सुफियान मुकीम ने एक-एक विकेट लिया।

## शूटिंग वर्ल्ड कप: सिफ्ट कौर समरा ने 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन इवेंट में जीता गोल्ड

एजेंसी

**ब्यूनस आयर्स।** भारत की युवा निशानेबाज सिफ्ट कौर समरा ने आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप 2025 में देश को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। 23 वर्षीय सिफ्ट ने शुक्रवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 458.6 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इस मुकाबले में जर्मनी की अनीता मैनगोल्ड ने 455.3 अंकों के साथ रजत पदक, जबकि कजाखस्तान की अरीना अल्टुखोवा ने 445.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। सिफ्ट ने क्वालिफिकेशन राउंड में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 590 अंक के साथ टॉप स्थान हासिल किया था। फाइनल मुकाबले में सिफ्ट की शुरुआत थोड़ी धीमी रही और वे घुटना टेकनेऔर प्रोन पोजीशन के बाद आठवें स्थान पर थीं लेकिन स्टैंडिंग पोजीशन में उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए लगातार सटीक निशाने लगाए और अंत में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में भारत की अन्य दो निशानेबाज़ों आशी चौकसे और श्रियांका सादांगी को फाइनल में जगह नहीं मिल सकी। आशी चौकसे ने 579 अंकों के साथ 17वां स्थान हासिल किया, जबकि श्रियांका ने 572 अंक हासिल कर 22वें स्थान पर रहीं।

# खेलों के वातावरण को बेहतर बनाने में नई सुविधा अत्यंत सहायक : जीएम

एजेंसी

**प्रयागराज।** उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक उपेन्द्र चंद्र जोशी ने रेलगांव स्टेडियम के नए पवेलियन का उद्घाटन एनसीआर महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष चेतना जोशी के साथ किया। जीएम ने कहा कि खेलों के वातावरण को बेहतर बनाने में यह नई सुविधा अत्यंत सहायक होगी।

महाप्रबंधक ने इस नई सुविधा के लिए सभी खिलाड़ियों, खेल संघ और निर्माण करने वाली टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल हमें समयबद्धता, धैर्य, अनुशासन, समूह में कार्य करना और लगन सिखाते हैं। खेलना हमें, आत्म विश्वास का निर्माण करना और सुधार करना सिखाता है। यह हमें टीम भावना भी सिखाता है, जिससे हम कठिन परिस्थितियों और सभी समस्याओं से आसानी से एक साथ मिल कर निपटने में सहायता मिलती है।

अध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ एसपी द्विवेदी ने कहा कि यह नई सुविधा लगभग 4 करोड़ की लागत से विकसित की गई है। जो सभी खिलाड़ियों और रेल कर्मियों को अत्यंत लाभकारी रहेगी। इस पवेलियन के विकास के लिए उन्होंने महाप्रबंधक का आभार जताया एवं इसके निर्माण को साकार करने वाली टीम को बधाई और धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि इस नवनिर्मित पवेलियन में दो टीमों के लिए ड्रेसिंग रूम, रिसेप्शन कक्ष, खिलाड़ियों के रुकने के लिए डॉरमेट्री, भोजन कक्ष, अन्य कक्ष, स्टोर रूम इत्यादि के साथ दर्शकों के बैठने के लिए स्टैंड आदि की भी व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर महाप्रबंधक एकादश एवं मंडल रेल प्रबंधक एकादश के बीच क्रिकेट मैच का भी आयोजन हुआ। जिसे महाप्रबंधक एकादश ने 4 रनों से जीता। मैच में टॉस जीत कर मंडल रेल प्रबंधक एकादश ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले बैटिंग करते हुए महाप्रबंधक एकादश ने 20 ओवरों में तीन विकेट पर 157 रन बनाए। इसके जवाब में मंडल रेल प्रबंधक एकादश निर्धारित ओवरों में 3 विकेटों के नुकसान पर 153 रन ही बना सकी। मैच के उपरांत महाप्रबंधक ने विजेता एवं उप विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया।

## राजस्थान रॉयल्स की सलामी जोड़ी अद्भुत :माइकल क्लार्क

**मुबंई।**ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और टीवी कमेंटेटर माइकल क्लार्क ने टाटा आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की जोड़ी अदभुद है और यह किसी भी मैच में पासा पलटने की कुव्वत रखती है। कुहल फैन्स मैच सेंटर लाइव ऑन जियोहॉटस्टार पर क्लार्क ने कहा, 'जायसवाल ने आज शानदार प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि वह पहले के मैचों की तुलना में शुरुआत में थोड़ा ज्यादा सतर्क थे। कुछ अच्छे शॉट्स ने उसे आत्मविश्वास दिया और वहीं से गति पकड़ी। अगर आप उसके वैगन व्हील को देखें, तो वह पार्क के चारों ओर शॉट मारता है। उसे लेग साइड पसंद है, लेकिन कीपर के ऊपर से ऊपर की ।

## थॉमस मुलर का बायर्न म्यूनिख से 25 साल पुराना सफर खत्म, सीजन के अंत में छोड़ेंगे क्लब

एजेंसी

**जर्मनी।** जर्मनी के दिग्गज फुटबॉलर थॉमस मुलर ने पुष्टि की कि वह इस सीजन के अंत में बायर्न म्यूनिख क्लब को अलविदा कह देंगे। मुलर ने 25 वर्षों तक क्लब से जुड़े रहने के बाद यह फैसला लिया है। उन्होंने साल 2000 में बायर्न की अकादमी से अपने करियर की शुरुआत की थी और अब तक क्लब के लिए रिकॉर्ड 743 मैच खेल चुके हैं। मुलर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, क्लब ने अगले सीजन के लिए मेरे साथ नया कॉन्ट्रैक्ट नहीं करने का फैसला किया है। यह मेरे व्यक्तिगत इरादों से मेल नहीं खाता, लेकिन क्लब के सिद्धांतों का पालन जरूरी है। मैं इस फैसले का सम्मान करता हूं। थॉमस मुलर इस सीजन का समापन 14 जून से अमेरिका में शुरू हो रहे नए प्रारूप के फीफा क्लब वर्ल्ड कप में बायर्न म्यूनिख के साथ करेंगे। हालांकि, उन्होंने अभी अपने अगले क्लब को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। कभी बायर्न के लिए गारंटीड स्टार्टर

रहे मुलर की भूमिका हाल के वर्षों में सीमित हो गई है। कोच विन्सेंट कोम्पानी के नेतृत्व में उनका मैदान पर समय काफी घटा है। पिछले कई महीनों से उनके भविष्य को लेकर अटकलें लग रही थीं, लेकिन अब तक क्लब और खिलाड़ी दोनों चुप थे। थॉमस मुलर ने 2008 में बायर्न की सीनियर टीम में पदार्पण किया था। अपने 17 साल के करियर में उन्होंने क्लब को 12 बुंडेसलीगा खिताब (जिसमें लगातार 11 शामिल हैं), 2 चैंपियंस लीग, और 6 डीएफबी-पोकल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। वह बायर्न के लिए तीसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 247 गोल किए हैं, उनसे आगे सिर्फ गर्ड मुलर (565 गोल) और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की (344 गोल) हैं।

# आईपीएल 2025 : दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 25 रन से हराया, लगाई जीत की हैट्रिक

एजेंसी

**चेन्नई।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन का 17वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच खेला गया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुए मैच में दिल्ली ने चेन्नई को 25 रन से हरा दिया। मैच में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। जवाब में सीएसके की टीम 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 158 रन ही बना सकी। डीसी के यह लगातार तीसरी जीत रही, वहीं सीएसके की यह तीसरी हार है। अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स तीन मैचों में तीन जीत के साथ 6 अंक लेकर टॉप पर पहुंच गई है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स चार मैचों में तीन हार और एक जीत के साथ अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए। सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र तीन रन, कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पांच रन और डेवोन कॉनवे 13 रन बनाकर आउट हुए। इम्पैक्ट सब के रूप में आए शिवम दुबे ने एक-दो बड़े शॉट लगाए, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए। दुबे ने 15 गेंदों में एक छक्का और एक चौके की मदद से 18 रन बनाए। इसके बाद रवींद्र जडेजा 2

रन बनाकर आउट हुए। जडेजा के पवेलियन लौटने के बाद एमएस धोनी मैदार पर उतरे। उन्होंने विजय शंकर के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया।

दोनों ने टीम को जीताने के लिए भरपूर कोशिश की, लेकिन जीत से 25 रन पीछे रह गए। विजय शंकर 54 गेंदों पर 5 चौके और एक छक्के की मदद से 69 रन की नाबाद पारी खेली। धोनी ने 26 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए। दिल्ली की ओर से विपराज निगम ने 2 विकेट, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और मिचेल स्टार्क ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 183 रन बनाए। टीम के लिए केएल राहुल ने सबसे ज्यादा रन बनाए। राहुल ने 51 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्के की मदद से 77 रन की पारी खेली। अभिषेक पोरेल ने 20 गेंदों पर 33 रन बनाए। कप्तान अक्षर पटेल ने 14 गेंदों पर 21 रन और समीर रिजवी ने 15 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स 12 गेंदों पर 24 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई के लिए तेज गेंदबाज खलील अहमद ने दो विकेट झटके। रवींद्र जडेजा, नूर अहमद और मथीशा पथिराना को एक-एक सफलता मिली।

## इस सुपरस्टार ने नशे में

# तब्बू

## के साथ की थी गंदी हरकत, गुस्से में एक्ट्रेस ने उठाया था ऐसा कदम

90 के दशक में कई हसीनाओं ने अपने करियर की शुरुआत की थी और 90 के दशक की कई एक्ट्रेस अब भी फिल्मी दुनिया में एक्टिव हैं. मशहूर और टैलेंटेड एक्ट्रेस तब्बू भी उन्हीं अदाकाराओं में शामिल हैं. तब्बू ने साल 1991 में तेलुगु फिल्म 'कुली नंबर 1' से अपने एक्टिंग करियर का आगाज किया था. वहीं हिंदी सिनेमा में उन्होंने अपने कदम साल 1994 में आई फिल्म 'विजयपथ' से रखे थे.

तब्बू की पहली फिल्म में उनकी हीरो थे दिग्गज एक्टर अजय देवगन. ढेरों फिल्मों में काम कर चुकीं तब्बू ने अपने समय के कई सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर किया. लेकिन मशहूर अभिनेता जैकी श्रॉफ के साथ उनकी जोड़ी नहीं बन पाई. इसका कारण जैकी श्रॉफ को ही माना जाता है. बताया जाता है कि एक पार्टी के दौरान जैकी श्रॉफ नशे में धुत थे. उन्होंने नशे में तब्बू के साथ गंदी हरकत कर दी थी. इसके बाद तब्बू ने जैकी के साथ काम न करने का फैसला लिया था.

**डैनी की पार्टी में हुई गंदी हरकत**

तब्बू ने बॉलीवुड में जो नाम और शोहरत हासिल की वो उनकी बड़ी बहन फराह नाज को नहीं मिल पाई. फराह 80 और 90 के दशक में बॉलीवुड में एक्टिव थीं. उन्होंने जैकी श्रॉफ के साथ भी काम किया था. दोनों जब साल 1987 में आई फिल्म 'दिलजला' की शूटिंग मॉरीशस में कर रहे थे तो तब्बू भी अपनी बहन के साथ मौजदू थीं.

इस फिल्म में दिग्गज एक्टर डैनी डेन्जोंगपा ने विलेन का किरदार निभाया था. एक रात डैनी ने शूटिंग खत्म करने के बाद पार्टी रखी थी. पार्टी में जैकी, फराह और तब्बू भी पहुंची थीं. इसके अलावा क्रू के सभी लोग भी पार्टी में शामिल हुए थे. तब जैकी श्रॉफ शराब के नशे में डूबे हुए थे. कथित तौर पर तब जैकी, तब्बू को किस करने की कोशिश कर रहे थे.

**सिर्फ 15 साल की थीं तब्बू**

तब्बू उस समय सिर्फ 15 साल की थी. वो जैकी की हरकतों से सहम गई थीं. मामले को डैनी ने जैसे-तैसे संभाला और वो उन्हें तब्बू से दूर ले गए. अगले दिन फराह ने जैकी पर कई तरह के आरोप लगाए थे. हालांकि तब्बू ने कुछ नहीं कहा. लेकिन फिर जब उनकी बॉलीवुड में एंट्री हुई तो उन्होंने कभी जैकी श्रॉफ के साथ किसी फिल्म में काम नहीं किया.

## गोविंदा से भी ज्यादा रईस थे मनोज कुमार, अपने पीछे छोड़ गए हैं करोड़ों का साम्राज्य, जानें नेटवर्थ

एक से बढ़कर एक शानदार फिल्में देने वाले मनोज कुमार अब इस दुनिया में नहीं हैं. 'भारत कुमार' के नाम से भी मशहूर मनोज कुमार ने शुक्रवार सुबह मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली. मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन हो गया. मनोज के निधन से बॉलीवुड और देश में शोक की लहर दौड़ गई. फैंस और सेलेब्स उन्हें सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं.

मनोज कुमार एक बेहतरीन एक्टर ही नहीं बल्कि शानदार डायरेक्टर भी थे. एक्टिंग और डायरेक्शन दोनों में ही वो हिट रहे. अपने 50 साल के करियर में मनोज कुमार ने शोहरत के साथ-साथ खूब दौलत भी कमाई. तो चलिए जानते हैं कि आखिर मनोज कुमार अपने पीछे कितने करोड़ रुपये की संपत्ति छोड़कर गए हैं ?

**कितने करोड़ की संपत्ति छोड़ गए मनोज कुमार ?**

मनोज कुमार का जन्म पाकिस्तान के ऐब्टाबाद में 24 जुलाई 1937 को हुआ था. मनोज कुमार का असली नाम हरिकिशन गिरी गोस्वामी है. हालांकि बाद में उन्होंने अपना नाम बदल लिया था. मनोज के बेटे कुणाल गोस्वामी ने समाचार एजेंसी हड्ड से बात करते हुए खुलासा किया कि उनके पिता का निधन स्वास्थ संबंधी बीमारी के चलते हुआ.मनोज कुमार ने फिल्मी दुनिया के जरिए अच्छी खासी कमाई की थी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मनोज कुमार अपने पीछे 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 170 करोड़ रुपये) की संपत्ति छोड़ गए हैं. उनकी संपत्ति सुपरस्टार गोविंदा से भी ज्यादा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गोविंदा की नेटवर्थ करीब 150 करोड़ रुपये है.

**मनोज कुमार की शानदार फिल्में**

मनोज कुमार ने बतौर एक्टर और डायरेक्टर कई शानदार फिल्में हिंदी सिनेमा को दीं. उनकी यादगार फिल्मों में 'दस नंबरी', 'क्रांति', 'रोटी कपड़ा और मकान', 'बेईमान', 'गुमनाम', 'शहीद' 'उपकार', 'दो बदन' सहित कई फिल्में शामिल हैं. 1976 में आई 'दस नंबरी' उनके करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है. दूसरे नंबर पर क्रांति (1981) मौजूद है.

## सलमान की वो फिल्म जिसने कराया करोड़ों का नुकसान, FLOP होने से अमिताभ-प्रियंका भी नहीं बचा पाए

सलमान खान की ईद पर रिलीज हुई फिल्म 'सिकंदर' ने शानदार ओपनिंग ली थी. शुरुआती चार दिनों तक फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था, हालांकि अब इसकी पकड़ टिकट खिड़की पर कमजोर होती जा रही है. फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि ये फ्लॉप की ओर बढ़ रही है, क्योंकि इसका बजट ज्यादा है और आगे कई बड़ी फिल्में रिलीज होने को हैं. हालांकि अभी ज्यादा कुछ कहना जल्दबाजी होगी. इसी बीच हम आपको सलमान की एक 17 साल पुरानी फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं.

सलमान खान के हाथ कई फ्लॉप फिल्में भी लगी हैं. ऐसी ही एक फिल्म साल 2007 में भी आई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन और प्रियंका चोपड़ा जैसे कई दिग्गजों ने भी काम किया था. लेकिन तीन-तीन बड़े स्टार्स होने के बावजूद ये फिल्म बुरी तरह पिटी थी. फिल्म बजट से भी काफी पीछे रह गई थी.

**काम नहीं आई सलमान-अमिताभ-प्रियंका की तिकड़ी**

जिस फिल्म की हम आपसे बात कर रहे हैं उसका नाम है 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो'. सलमान, अमिताभ और प्रियंका के अलावा इसका हिस्सा सोहेल खान और राजपाल यादव भी थे. 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो' हॉलीवुड फिल्म 'ब्रूस ऑलमाइटी' का रीमेक है. इसमें अमिताभ बच्चन भगवान के किरदार में नजर आए थे, जबकि सलमान ने न्यूज एंकर का किरदार अदा किया था. सलमान का किरदार फिल्म में किसी भी परेशानी का सामना करने के बाद भगवान को इसके लिए दोषी ठहरा देता था. इसके बाद सलमान से भगवान मिलने आते हैं और उन्हें अपने शक्तियां दे देते हैं. लेकिन इस कहानी को दर्शकों ने नकार दिया था. नतीजा ये रहा कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई.

**बजट भी नहीं निकाल पाई 'गॉड तुस्सी ग्रेट हो'.**

गॉड तुस्सी ग्रेट हो इस कदर फ्लॉप हुई कि ये बॉक्स ऑफिस पर बजट तक निकालने में नाकाम रही. रूमी जाफरी ने इस फिल्म का डायरेक्शन किया था. इस पर मेकर्स ने 21 करोड़ रुपये खर्च किए थे. लेकिन फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी तो फिल्म अपने नाम के मुताबिक ग्रेट परफॉर्मेंस नहीं कर पाई. सलमान का जादू फीका पड़ गया, जबकि अमिताभ और प्रियंका भी इसे नहीं बचा सके. बॉक्स ऑफिस इंडिया के मुताबिक फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 12 करोड़ रुपये की कमाई की थी. इसी के साथ फिल्म डिजास्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई.

## इधर रणबीर ने

# आलिया

## के साथ अस्पताल में एक हफ्ता गुजाने का किया खुलाया, उधर सैफ को लेकर करीना ने कर दी ये शिकायत



रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की बेटी राहा अब दो साल की हो गई हैं. करीना कपूर के साथ किए एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर ने बताया था कि किस तरह से राहा के जन्म के समय उन्होंने आलिया के साथ अस्पताल में पूरा एक हफ्ता बिताया था. रणबीर के इस डेडिकेशन की उनकी कजिन करीना कपूर ने खूब तारीफ की थी और साथ में करीना ने ये भी कहा था कि एक तरफ रणबीर ने राहा के जन्म के बाद पूरा एक हफ्ता अस्पताल में बिताया था, वहीं दूसरी तरफ उनके दोनों बेटों के जन्म के समय सैफ अली खान ने एक रात भी अस्पताल में नहीं बिताई थी.दरअसल रणबीर कपूर ने को-पेरेंटिंग के बारे में बात करते हुए करीना के इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने राहा के जन्म से पहले दो-तीन महीने के लिए अपने काम से ब्रेक लिया था और आलिया के साथ अस्पताल में पूरा एक हफ्ता बिताया था. करीना कपूर ने तब अपने कजिन की तारीफ करते हुए कहा था कि इसका मतलब है कि आप एक बहुत अच्छे पति हैं और देखो, सैफ ने मेरे साथ अस्पताल में एक रात भी नहीं बिताई थी.

**करीना कपूर और सैफ अली खान के दो बेटे**

करीना कपूर और सैफ अली खान के दो बेटे हैं, तैमूर और जेह. करीना और सैफ ने 2012 में शादी की थी. करीना ने दिसंबर 2016 में तैमूर को जन्म दिया था और फरवरी 2021 में जेह का जन्म हुआ था. दूसरी ओर, रणबीर और आलिया की सिर्फ एक ही बेटी है. लेकिन, उन्होंने कई इंटरव्यू में दूसरे बच्चे की इच्छा जाहिर की है.

**आलिया भट्ट ने सोच रखा है दूसरे बच्चे का नाम**

आलिया भट्ट ने हाल ही में बताया था कि उन्होंने अपने दूसरे बच्चे का नाम भी पहले से ही सोच रखा है. आलिया ने जय शेट्टी के पॉडकास्ट में राहा के नाम के पीछे की कहानी बताई. उन्होंने कहा कि अगर उनका दूसरा बच्चा लड़का होता है, तो उसके लिए भी उन्होंने खास नाम सोच रखा है. आलिया ने कहा कि वो और रणबीर दोनों ही अपने बच्चों के सबसे अच्छे नाम रखना चाहते हैं.

# देशभर में संगठन को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस

## अब बनाएगी जिला और शहर अध्यक्षों का तीन माह का "रिपोर्ट कार्ड"

### डीके शिवकुमार बने रहेंगे प्रदेश अध्यक्ष

**बंगलूरू**

**कर्नाटक** में सत्तारूढ़ कांग्रेस में सत्ता संघर्ष खत्म होता दिख रहा है। कांग्रेस सूत्रों ने रविवार को बताया, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को राज्य इकाई के प्रमुख के रूप में बनाए रखने का निर्णय लिया है बता दें कि पिछले कई महीनों से पार्टी के अंदर शीर्ष पद को लेकर कलह चल रहा था। हाल ही में शिवकुमार मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ पिछले गुरुवार और शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे थे। जहां उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। यह मुलाकात इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि शिवकुमार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मुहिम चल रही थी। सिद्धारमैया के खेमे के कई विधायक और मंत्री शिवकुमार को पार्टी के राज्य अध्यक्ष पद से हटने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि पार्टी नीति 'एक व्यक्ति, एक पद' का पालन होना चाहिए।

**डीके को हटाने के मूड नहीं कांग्रेस आलाकमान**

बता दें कि डीके शिवकुमार राज्य के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष दोनों पदों पर हैं, इसलिए पार्टी में उनके विरोधी यह तर्क दे रहे थे कि मंत्री पद का कार्यभार संभालने वाला व्यक्ति पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिलकर उचित रूप से पार्टी प्रमुख का कर्तव्य नहीं निभा सकता है। हालांकि आलाकमान डीके शिवकुमार को इस पद से हटाने के मूड में नहीं है। क्योंकि डीके शिवकुमार ने विधानसभा चुनावों फिर लोकसभा चुनावों में पार्टी को मिली जीत और हालिया उपचुनावों में पार्टी का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसलिए पार्टी उनके योगदान को देखते हुए, उन्हें उस पद से हटाना नहीं चाह रही है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया, पार्टी आलाकमान कम से कम इस साल नवंबर और दिसंबर तक शिवकुमार को बदलने के लिए इच्छुक नहीं है।

**सीएम पद को लेकर गुप्त समझौता!**

एक गुप्त समझौते के तहत सिद्धारमैया कर्नाटक में कांग्रेस के पांच साल के कार्यकाल के पहले हिस्से का नेतृत्व करेंगे, जबकि दूसरे हिस्से में डीके राज्य की सत्ता संभालेंगे। न तो सिद्धारमैया और न ही शिवकुमार ने इस बात की पुष्टि की है।

### संगठन की बैठक में राहुल गांधी की दो टूक, खरे न उतरे तो जाएगा पद, बनाकर दे दी टाइमलाइन, जून तक गांव व वार्ड स्तर पर कमेटी का लक्ष्य

**नई दिल्ली**

अब देशभर में संगठन की मजबूत पर काम कर रही कांग्रेस ने तय किया है कि संगठन निर्माण और उसके क्रियाकलापों की बारीकी से निगरानी होगी। जिला और शहर अध्यक्षों को टाइमलाइन बनाकर लक्ष्य सौंप दिया गया कि जून तक गांव और वार्ड स्तर पर कमेटियां बना लेनी हैं। इतना ही नहीं, पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने तो दो टूक कह दिया है कि यदि तीन माह बाद जिला और शहर अध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड बनेगा। जो उम्मीदों पर खरे नहीं उतरेंगे, उन्हें पद से हटा दिया जाएगा।

**अलग-अलग राज्यों कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे राहुल गांधी**

कांग्रेस ने यह वर्ष संगठन निर्माण के लिए समर्पित किया है। इसी के तहत अलग-अलग राज्यों के समूह बनाकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित अन्य वरिष्ठ नेता जिला व शहर अध्यक्षों के साथ बैठकें कर रहे हैं। गत दिवस शीर्ष नेताओं ने उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल आदि राज्यों के जिला व शहर अध्यक्षों के साथ बैठक की। संगठन निर्माण को लेकर सांसद शशिकांत सैंथिल ने प्रस्तुतीकरण किया। इसमें बताया गया कि इसी मई यानी अगले माह तक मंडल कांग्रेस कमेटियों का गठन कर लेना है। प्रत्येक मंडल कमेटी के अंतर्गत 15 से 20 बूथ होंगे। इसी समय सीमा में प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को दो-दो बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-1 और बीएलए-2) की नियुक्ति करनी है। गांव कांग्रेस कमेटी और वार्ड कांग्रेस कमेटियों के गठन के लिए जून, 2025 तक का समय दिया गया है। जून तक ही बूथ लेवल एजेंटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी पूरा करना है।

#### संगठन को मजबूत बनाना होगा

मतदाता सूची से संबंधित गतिविधियां लगातार चलाई जाएंगी। कार्यकर्ताओं के लिए जमीनी स्तरपर प्रशिक्षण सत्र भी सतत चलाने होंगे। बैठक में शामिल सूत्रों ने बताया कि कुछ जिलाध्यक्षों ने सुझाव दिया कि अब कुछ राज्यों में पार्टी को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए बिना गठबंधन के चुनाव लड़ना चाहिए। राहुल गांधी ने उनकी भावनाओं की सराहना करते हुए कहा कि वह स्थिति भी आपको ही बनाना है।

**संगठन को इतना मजबूत बनाना होगा**

हर विधानसभा और लोकसभा सीट पर संगठन को इतना मजबूत बनाना होगा कि यदि सहयोगी दलों से गठबंधन न हो सके तो कांग्रेस अपने बूते पर मजबूती से चुनाव लड़ सके। संदेश यही था कि संगठन की कमजोरी के चलते ही कांग्रेस को अपने कार्यकर्ताओं के मनोबल और मंशा की अनदेखी कर मजबूरन कई राज्यों में गठबंधन में चुनाव लड़ना पड़ रहा है। निगरानी के लिए मजबूत तंत्र की रणनीतिसंगठन निर्माण से लेकर पार्टी की सभी गतिविधियों के संयोजन व समन्वय के लिए भी कांग्रेस ने नए तंत्र पर काम शुरू किया है। इसी माह अप्रैल में सभी राज्यों में स्टेट साथी केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

### केरल में कांग्रेस को भारी पड़ेगी ईसाई समुदाय की नाराजगी! वक्फ को लेकर पार्टी के रुख से नाराज

**नई दिल्ली**

**वक्फ** संशोधन विधेयक के खिलाफ ईसाई समुदाय की नाराजगी केरल में कांग्रेस को भारी पड़ सकती है। केरल में ईसाई समुदाय की जनसंख्या लगभग 18-20 प्रतिशत है, जो पारंपरिक तौर से कांग्रेस का समर्थन करती रही है। हालांकि कुछ वोट को भी मिलते रहे हैं। दोनों ही पार्टियों ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध किया है। जाहिर है लंबे वक्त से जनाधार की कोशिश में जुटी भाजपा इसे अवसर के रूप में देख रही है और उसके नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर तत्काल मुनंबम पहुंच गए जहां 600 परिवारों की 400 एकड़ जमीन वक्फ की संपत्ति घोषित कर दी गई है।

**केरल के सभी सांसदों से विधेयक का समर्थन करने की अपील**

दरअसल केरल के ईसाई समाज के बड़े संगठनों कैथोलिक आर्कविशप कौंसिल और साइरो-मालाबार चर्च ने केरल के सभी सांसदों से विधेयक का समर्थन करने की अपील की थी। इसके बाद राष्ट्रीय कैथोलिक आर्कविशप काउंसिल ने भी इसी तरह की अपील की थी। यही नहीं, केरल के चर्च द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र दीपिका ने संपादकीय लिखकर वक्फ संशोधन विधेयक को देश में पंथनिरपेक्ष राजनीति की परीक्षा करार दिया था। इस संपादकीय के अनुसार केरल वक्फ बोर्ड द्वारा 2022 में मुनंबम की जमीन को वक्फ घोषित करने के मामलों को राजनीतिक दलों को गंभीरता से लेना चाहिए और इस ज्यादती के खिलाफ ईसाई समुदाय के लोगों के पक्ष में खड़े होना चाहिए, लेकिन माकपा और कांग्रेस दोनों ने ईसाई समुदाय की इस अपील को ठुकरा दिया।

**मुस्लिम वोटबैंक कांग्रेस के लिए दुविधा**

दरअसल कांग्रेस के लिए दुविधा की वजह केरल का बड़ा मुस्लिम वोटबैंक है। केरल की जनसंख्या का लगभग 24 प्रतिशत मुस्लिम मुख्य रूप से इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग का समर्थक है। आइयूएमएल कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की अहम सदस्य है और 1978 से इसमें शामिल है। गांधी परिवार के वायनाड की सुरक्षित सीट की वजह भी आइयूएमएल है। वक्फ संशोधन विधेयक ने यूडीएफ के कोर वोटबैंक ईसाई और मुस्लिम को आमने-सामने कर दिया है। राजीव चंद्रशेखर के सामने जिस तरह से मुनंबम के 50 लोग भाजपा में शामिल हो गए, वह केरल में राजनीति की नई बयार की बानगी माना जा रहा है। भाजपा में शामिल होने वाले ये लोग कांग्रेस और माकपा दोनों से जुड़े रहे हैं।

### पीएम के नेतृत्व में लगातार जनकल्याणकारी और विकास कार्य कर रही है सरकार: शिवराज

**रायसेन**

केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जनता की सेवा ही ईश्वर की पूजा है। यह दृढ़ संकल्प है कि जनता के जीवन में कोई तकलीफ न हो, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार लगातार जनकल्याणकारी और विकास कार्य कर रही है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। साल में एक लाख से अधिक लखपति दीदी बनेंगी। हर महिला को स्व-सहायता समूह से जोड़ा जाए। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान रविवार को रायसेन जिले के गैरतगंज में आयोजित शासकीय

आईटीआई भवन का लोकार्पण सहित विभिन्न निर्माण कार्यो का लोकार्पण तथा भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कन्यापूजन और दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि गॉवों को गरीबी मुक्त बनाना है। विकसित भारत में कोई गरीब नहीं होगा। नौ गांव आदर्श ग्राम बनाए जाएंगे। गांव के लोग तय करें कि किस तरह से गरीबी दूर की जा सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीबों का पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है।

### व्यापार के क्षेत्र में भी विश्वगुरु बन सकता है भारत: दत्तात्रेय होसबाले

**मुंबई**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पारस्परिक टैरिफ की घोषणाओं के कारण विश्व व्यापार में आए बड़े बदलाव के मद्देनजर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि दर्शन के साथ-साथ व्यापार के क्षेत्र में भी भारत 'विश्वगुरु' बन सकता है। शनिवार को नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) में शिष्टाचार भेंट के दौरान होसबाले ने कहा कि कोई भी राष्ट्र विश्वास और पारदर्शिता के बल पर ही फल-फूल सकता है। उन्होंने कहा,

"केवल दर्शन में ही नहीं, बल्कि व्यापार में भी हम विश्वगुरु बन सकते हैं।"

**भारत में लंबे समय से व्यापार की परंपरा रही है**

इस बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि विश्वगुरु बनने का मतलब है दुनिया को व्यापार और नैतिकता के अच्छे तौर-तरीकों के बारे में सिखाना है।

इसमें विज्ञान, राजनीतिक क्षेत्र, परिवार और कार्यस्थल में अच्छे व्यवहार के बारे में बोलना भी शामिल है।

"विश्वास और पारदर्शिता" के मूल मंत्र के संदर्भ में होसबाले ने कहा कि समाज और राष्ट्र इन्हीं मूल्यों के बल पर फल-फूल सकते हैं। भारत में लंबे समय से व्यापार की परंपरा रही है।

**हमें एनएसई पर गर्व होना चाहिए**

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि "हमें एनएसई पर गर्व होना चाहिए"। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि की उच्च गति और लोगों के व्यवहार में बदलाव, एनएसई जैसी संस्थाओं की वजह से है।

### 'हिंद महासागर क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करना भारत का लक्ष्य'

**कारवार**

**रक्षा** मंत्री राजनाथ सिंह ने कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे से हिंद महासागर पोत 'सागर' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में मुक्त नौवहन, नियम आधारित व्यवस्था और शांति सुनिश्चित करना भारत का सबसे बड़ा उद्देश्य है। भारत किसी भी देश की संप्रभुता से समझौता किए बिना हिंद महासागर में हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

राजनाथ नौसेना कमांडरों के सम्मेलन में भाग लेने और प्रोजेक्ट सीबर्ड के तहत नौसेना बेस पर नए विकसित बुनियादी ढांचे का उद्घाटन करने के लिए कारवार पहुंचे थे।

**'क्षेत्र को और अधिक शांतिपूर्ण बनाना हमारा लक्ष्य'**

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कारवार नौसैनिक अड्डे पर लोगों को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा, हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की तैनाती सिर्फ हमारे लिए नहीं बल्कि मित्र देशों के लिए भी है। भारत का प्रयास हिंद महासागर क्षेत्र को और अधिक शांतिपूर्ण एवं समृद्ध बनाना है।

**बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया**

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी नौसेना यह सुनिश्चित करती है कि हिंद महासागर क्षेत्र में कोई भी देश अपनी विशाल अर्थव्यवस्था या सैन्य शक्ति के आधार पर किसी दूसरे को दबा न सके। रक्षा मंत्री ने नौसैनिक अड्डे पर विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। नौसेना परियोजना 'सीबर्ड' के तहत महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डे का विस्तार कर रही है।

रक्षा मंत्री के कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'सागर' हिंद महासागर क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

### पीड़ितों की मदद में शिथिलता पर होगी कार्रवाई: मुख्यमंत्री

**गोरखपुर**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जन समस्याओं के निस्तारण और पीड़ितों की मदद में शिथिलता किसी भी दशा में नहीं होनी चाहिए। शिथिलता बरती गई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। किसी पीड़ित की समस्या के निस्तारण में यदि कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर समाधान कराया जाए। किसी स्तर पर जानबूझकर प्रकरण को लंबित रखा गया तो संबंधित की जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने ये निर्देश रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही हिदायत दी कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ प्रकरणों पर उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि यह भी पता लगाएं कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए।

### हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं बेटियां : नन्दी

**प्रयागराज**

हर क्षेत्र में बेटियां उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। यह बात रविवार को कन्या पूजन करने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा। उन्होंने कहा कि इस लिए आज के समय में बेटियों को सशक्त और समृद्ध बनाते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। जिसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्री नन्दी ने कहा कि किसी भी देश, राज्य या समाज के लिए नारी सशक्तिकरण बहुत ही आवश्यक है। मंत्री नन्दी ने कहा कि बेटियां सुख, समृद्धि और प्रगति का आधार हैं। इनकी पूजा सर्वोत्तम पूजा है। मंत्री नन्दी ने कहा कि नवरात्रि आदिशक्ति की आराधना का पर्व है, जो ममतामयी हैं, सर्वव्यापी हैं। नवरात्रि इन्हीं जगत जननी को समर्पित है और भारतीय संस्कृति में कुमारी कन्याओं को साक्षात देवी स्वरूपा माना गया है।

# राम जन्मभूमि में रामलला का हुआ सूर्य तिलक

### अवतरित होते ही लला का हुआ सूर्याभिषेक

**अयोध्या**

रामनवमी पर राम जन्म भूमि में सौर सरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान के उपयोग से रविवार को ठीक दोपहर 12 बजे श्रीरामलला का राजतिलक (सूर्य तिलक) सूर्य किरणों से किया गया।

भगवान के जन्म होते ही भगवान के ललाट पर करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें ने सुशोभित किया। इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महामंत्री चंपत राय, ट्रस्टी डा अनिल मिश्र, व्यवस्था प्रबंधक गोपाल सहित मंदिर के सभी पुजारी उपस्थित रहे। राम नवमी पर अयोध्या के प्रमुख स्थानों

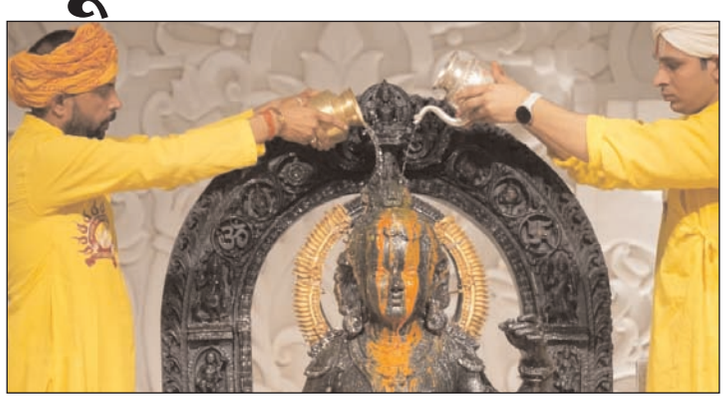

पर श्रीराम जन्मोत्सव का लाइव प्रसारण सूचना विभाग द्वारा स्थापित फिक्स एलईडी व विभिन्न स्थानों पर एलईडी डिस्प्ले बोर्ड आदि के माध्यम से दूरदर्शन द्वारा जारी किये गये लाइव लिंक के अनुसार किया गया। जिसे अयोध्या में आने वाले श्रद्धालु श्रीराम जन्मोत्सव को देख कर आह्लादित हो रहे हैं।आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। जल पुलिस और आपदा प्रबंधन टीमों की तैनाती से सरयू नदी के आसपास सुरक्षा सुनिश्चित की गई हैं। सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन कैमरा आदि से अयोध्या की निगरानी की जा रही है।

अयोध्या को सेक्टर- जोन के माध्यम से बाटा गया है, इसके अलावा,भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। इसके अलावा डायवर्जन हनुमानगढ़ी, राम जन्मभूमि, कनक भवन और वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था से श्रद्धालुओं को असुविधा से बचाया जा रहा हैं। पुराने जाने पहचाने रास्ते से विचरण करती भगवान भास्कर की तेजोमय रश्मियां घड़ी की सभी सुइयों के इकट्ठे होते ही जैसे ही बालक श्रीराम लला के ललाट पर प्रतिष्ठित हुईं प्रभु के समक्ष उपस्थित श्रद्धालुगण प्रसन्नता से झूम उठे। गगनभेदी जयकारों ने अयोध्या समेत पूरे विश्व को गुंजायमान कर दिया। जो अयोध्या नहीं पहुंच सके उन सबने अपने स्थान पर ही श्री रामलला के महामस्तकाभिषेक का सीधा प्रसारण देखा। श्रीराम लला के ललाट तक सूर्य देवता का आशीर्वाद पहुंचाने की व्यवस्था के लिए कल ही अंतिम ट्रायल कर लिया गया था। एक बार यह काम किया जा चुका था इसलिए अबकी बार इसमें अधिक जटिलताएं नहीं आईं। तथापि ऊपरी तलों पर निरन्तर निर्माण कार्य के चलते समस्याएं तो थीं ही। धनिया से बने प्रसाद के साथ ही इस बार फलाहारी लड्डुओं का भी प्रसाद है।

### इथनॉल से किसान होंगे खुशहाल, देश की होगी तरक्की: योगी आदित्यनाथ

**गोरखपुर**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार शाम सहजनवां में केयान डिस्टिलरी प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने लोगों को राम नवमी की शुभकामनाएं दीं और गीडा के अंतर्गत नए उद्योग की शुरूआत के लिए भी बधाई दी। उन्होंने बताया कि 30 एकड़ में फैला यह प्लांट अनाज से इथनॉल बनाएगा, जो देश और किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397